लखनऊ, सोमवार, 1 मई 2023 | Email: starexpressnews@gmail.com | वर्ष : 16 अंक : 67 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रूपया

हिन्दी दैनिक/डिजिटल

स्टार एक्सप्रेस

सोच..... बदलते भारत की

www.starexpress.news

राजभवन से लेकर बूथ तक 55 हजार से अधिक जगहों पर लोगों ने सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात

(संवाददाता)

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात की 100वीं कड़ी को सुनने के लिए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में राजभवन में एक समारोह का आयोजन किया और चित्र प्रदर्शनी भी लगाई। वहीं, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बूथ स्तर पर 55 हजार से अधिक केंद्रों पर 'मन की बात का प्रसारण किया। राजभवन के गांधी सभागार में प्रधानमंत्री के

'मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अलावा पद्म पुरस्कार से सम्मानित हस्तियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उत्तर प्रदेश के वे 57 लोग भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, जिनके कार्यों की प्रधानमंत्री ने 'मन की बात की किसी न किसी कड़ी में चर्चा की थी। इस अवसर पर, राज्यपाल ने केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा 'मन की बात और 'आजादी का अमृत महोत्सव पर एक फोटो प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने 'मन की बात कार्यक्रम से मिले अनुभवों को साझा किया। बरेली की शिक्षिका दीपमाला पांडेय, प्रयागराज की बच्ची नव्या वर्मा, फौजी किसान कर्नल हरिश्चंद्र, रायबरेली के रजनीश बाजपेयी और ललितपुर जिले की ग्राम पंचायत नेवारी की ग्राम प्रधान नेहा बाजपेयी समेत कई प्रमुख लोगों ने 'मन की बात की कड़ियों में प्रधानमंत्री द्वारा उनका जिक्र किए जाने से उन्हें मिली लोकप्रियता के बारे में चर्चा की।

ममता से नीतीश की मुलाकात के बावजूद बंगाल में विपक्ष के गठजोड़ की संभावना नहीं

(एजेंसी)

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बिहार में उनके समकक्ष नीतीश कुमार के बीच 24 अप्रैल को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा विरोधी महागठबंधन का रास्ता साफ करने के लिए महत्वपूर्ण बैठक हुई। अब बैठक को लेकर राज्य के राजनीतिक हलकों में सवाल उठ रहे हैं। पहला सवाल यह है कि क्या नीतीश कुमार को तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो के साथ समझ बनाने के लिए जानबूझकर नियुक्त किया गया था, यह देखते हुए कि ममता बनर्जी के पार्टी नेतृत्व ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि वे भाजपा और कांग्रेस के साथ समान दूरी बनाए रखेंगे और इसके बजाय प्रयास करेंगे देश के सभी क्षेत्रीय दलों के बीच समझ विकसित हो। दूसरा सवाल यह है कि नीतीश कुमार कांग्रेस और तृणमूल नेतृत्व को एक मंच पर कहां तक ला पाएंगे। इस प्रश्न का उत्तर 24 अप्रैल को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुत्तरित रहा, जिसमें बनर्जी, कुमार और राजद नेता तेजस्वी यादव ने भाग लिया। उस दिन जब कुछ मीडियाकर्मियों ने विपक्षी गठबंधन मॉडल में कांग्रेस की स्थिति के बारे में सवाल किया, तो ममता बनर्जी ने उन पत्रकारों को रोक दिया और कहा कि मीडिया को इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है। ममता बनर्जी ने उस दिन कहा, आपको इन सभी चीजों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। हम एक साथ रहेंगे। देश के लोग भाजपा के खिलाफलड़ेंगे। सभी दल एक साथ चलेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने जोर देकर कहा कि सभी विपक्षी दलों को 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ अपने संयुक्त कदम में एकजुट होकर काम करने के लिए अपना अहंकार छोड़ना होगा। दरअसल, शुरू से ही इस महागठबंधन को लेकर बनर्जी और कुमार की सोच अलग रही है। जहां एक तरफनीतीश कुमार इस मामले में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से करीबी तालमेल बनाए हुए हैं, वहीं तृणमूल कांग्रेस देश की सबसे पुरानी राष्ट्रीय पार्टी से दूरी बनाए हुए है।

संक्षिप्त समाचार

खड़गे व सिद्धारमैया के बयान से भाजपा को मिला मौका

बेंगलुरू । कर्नाटक में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे भाजपा और कांग्रेस के प्रचार अभियान का स्तर गिरता जा रहा है। लिंगायत समुदाय के प्रमुख नेताओं को नजरअंदाज करने से भाजपा खुद को कमजोर पा रही है, तो अपने नेताओं के हालिया टिप्पणियों के कारण कांग्रेस बैकफुट पर है। भ्रष्ट लिंगायत मुख्यमंत्रियों के बारे में कांग्रेस पार्टी के बयान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना जहरीले सांप (बाद में वापस ले लिया गया) से करने से बीजेपी को कांग्रेस का मुकाबला करने का एक सशक्त हथियार मिल गया है। टिकट से वंचित किए जाने पर प्रमुख लिंगायत नेता व पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार और पूर्व डिप्टी सीएम लक्ष्मण सावदी भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए। विपक्षी नेता सिद्धारमैया और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणियों को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कांग्रेस पर भारी पड़ी है।

जम्मू-कश्मीर को लंबे समय तक निर्वाचित सरकार से वंचित नहीं रखा जा सकता : आजाद

श्रीनगर। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में अब समय आ गया है कि यहां विधानसभा चुनाव हों और लोगों को एक चुनी हुई सरकार से लंबे समय तक वंचित रखना अलोकतांत्रिक है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डीपीएपी एक ऐसी पार्टी है जो लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करती है और यह सुनिश्चित करेगी कि सत्ता में आने पर समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के लाभ के लिए जन-समर्थक पहल शुरू की जाएं। उन्होंने बांदीपोरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, अगर डीपीएपी सत्ता में आती है तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि गरीबों को मुफ्त बिजली और अन्य लाभ दिए जाएं ताकि उनके बजट पर बोझ न पड़े। हम पर्यटन, कृषि और बागवानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक अवसर पैदा करने के लिए भी काम करेंगे ताकि आम लोग आर्थिक रूप से मजबूत हों। आजाद ने कहा कि जब वह जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने बांदीपोरा को जिला का दर्जा दिया, अस्पताल, कॉलेज खोले और लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए सड़कों का एक लंबा नेटवर्क तैयार किया।

बुलंदशहर पुलिस की लुटेरों के साथ मुठभेड़, 7 शातिर बदमाश गिरफ्तार

(संवाददाता) बुलंदशहर । उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद लूट की घटना में वांछित चल रहे 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि सिकंदराबाद कोतवाली क्षेत्र के फरीदपुर नहर पुलिया पर बीती रात पुलिस वाहनों के चेकिंग में व्यस्त थी। इसी बीच एक कार ने पुलिस घेरे को तोड़ते हुए भागने का प्रयास किया और पीछा करने पर पुलिस दल पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में कार सवार दो व्यक्ति घायल हो गए जबकि दो को पुलिस ने भागकर अपनी गिरफ्त में ले लिया। पकड़े गए व्यक्तियों ने अपने नाम मेनपाल उर्फयोगी नागर निखिल कुमार बृजेश कुमार एवं रोहित बताएं। सभी गौतम बुद्ध नगर के सूरजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम देवला के निवासी हैं। जानकारी के मुताबिक, स्याना कोतवाली क्षेत्र के गांव बरर में बीती रात्रि औरंगाबाद स्याना रोड पर पुलिस द्वारा चेकिंग की जा रही थी।

सरकार ने अवैध निर्माण पर उठाया ठोस कदम

पार्क, तालाब समेत अन्य सार्वजनिक स्थानों पर हुए अवैध निर्माण पर चलेगा बुलडोजर

(संवाददाता)

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में अवैध निर्माण को लेकर सख्त योगी सरकार अब नगरीय निकायों में सार्वजनिक भूमि, पार्क, तालाब, पोखर समेत किसी भी सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाने जा रही है। सरकार की ओर से सभी नगरीय निकायों को ऐसे अवैध निर्माण व अतिक्रमण को चिन्हित कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नियमानुसार कार्रवाई के साथ ही इसकी जानकारी एंटी भूमाफिया पोर्टल पर भी दिए जाने को सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अवैध निर्माण को लेकर प्रदेश सरकार पहले भी कड़े कदम उठा चुकी है। खासतौर पर भूमाफिया के चंगुल से प्रदेश में हजारों करोड़ रुपए की जमीन को मुक्त कराया जा चुका है। इसी क्रम में अब नगरीय निकाय में यह अभियान चलाकर सरकारी भूमि को अवैध निर्माण से मुक्त कराने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रत्येक नगरीय निकाय से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने निकाय में ऐसी सार्वजनिक भूमियों, पार्क, तालाब, पोखर इत्यादि को चिन्हित करेंगे।

जिनका भूमाफिया या किसी के भी द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। ऐसी सभी सरकारी संपत्ति को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। अवैध कब्जेदारों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए उसको प्लैट पोर्टल (एंटी भूमाफिया पोर्टल) पर राजस्व विभाग के सहयोग से दर्ज कराया जाना सुनिश्चित करें। इसमें कहा गया है कि प्रत्येक नगरीय निकाय का यह दायित्व होगा कि वह अपने निकाय से संबंधित सूचना निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय को उपलब्ध कराएंगे। वहीं निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय इस सूचना को शासन को उपलब्ध कराएंगे। गौरतलब है कि प्रदेश में सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने और अवैध कब्जेदारों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही कराए जाने के लिए राजस्व विभाग द्वारा एंटी भूमाफिया अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 2017 से प्रारंभ किया गया था। एंटी भू माफिया अभियान की समीक्षा के लिए 4 स्तरीय टास्क फोर्स का भी गठन किया गया है। इसमें राज्य, मंडल, जनपद और तहसील स्तर पर समीक्षा होती है। मुख्य सचिव दया शंकर मिश्रा राज्य स्तरीय एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स के अध्यक्ष हैं,

जबकि अन्य विभागों के साथ ही प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग इस राज्य स्तरीय एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स के सदस्य हैं। समय-समय पर मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव राजस्व विभाग द्वारा राज्य स्तरीय एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स कीसमीक्षा बैठक की जाती रहती है। हाल में संपन्न राज्य स्तरीय एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक में पाया गया कि नगरीय निकायों में सार्वजनिक भूमि पर किए गए अवैध कब्जों एवं अवैध कब्जेदारों की सूचना एंटी भूमाफिया पोटर्ल पर नगण्य है। भविष्य में राज्य स्तरीय एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक उच्च स्तर पर होने की संभावना को देखते हुए प्रदेश सरकार की ओर से यह कदम उठाया गया है।

प्रियंका गांधी को बीजेपी सांसद ब्रजभूषण सिंह का चौलेंज, कहा-वह किसी भी सीट से लड़ना चाहे आकर लड़ लें

(संवाददाता)

गोंडा। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाले पहलवानों के साथ उनकी लड़ाई व्यक्तिगत है और इससे उनकी पार्टी से कोई लेना देना नहीं है। नंदनीनगर महाविद्यालय परिसर में रविवार को पत्रकारों से बातचीत में सिंह ने कहा कि उनके ऊपर पहलवानों द्वारा लगाये गये आरोपों से वे स्वयं लड़कर बाहर निकलेंगे। ये लड़ाई उनकी व्यक्तिगत है और इससे प्रकरण से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि आरोप बतौर कुश्ती संघ अध्यक्ष लगाये गए है न कि सांसद के नाते। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अगर पार्टी कहेगी तो वे तुरंत सांसद पद से तत्काल इस्तीफा दे देंगे। सिंह ने कहा कि देश को मेडल दिलाने में केवल पहलवानों की ही अकेली भूमिका नहीं है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा

हादसे मे 5 लोगो की मौत, भयावह था सड़क हादसा, छितरे पड़े थे शव

(संवाददाता)

लखनऊ । आजमगढ़ जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार देर रात भीषण हादसा हुआ। लखनऊ से गाजीपुर की ओर जा रही बोलेरो और आगे जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली में टकरा गई। हादसे में तीन महिलाओं समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल है। मृतकों में पति-पत्नी है। बाकी रिश्तेदार औरपरिवार के हैं। बोलेरो की छत ही नहीं, उसकी बॉडी भी पूरी तरह से गायब हो चुकी थी। एसओ अहरौला योगेंद्र बहादुर सिंह ने रविवार सुबह रात का हाल बयां किया। कहा कि मौके पर पहुंचते ही हाल देख कर जैसे रूह ही कांप सी गई। बोलेरो के परखच्चे उड़ गए थे। जिन पांच लोगों की मौत हुई, उनके शव एक्सप्रेस-वे पर क्षत-विक्षत पड़े थे। दो सौ मीटर में अलग-अलग शव बिखरे पड़े थे। दूर-दूर तक सड़क पर खून के धब्बे थे। ये बिखरे शव इस हादसे की भयावहता की गवाही दे रहे थे। हादसे में जिंदा बची महिला मरनासन्न हालत में कराह रही थी। दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो की बात की जाए तो इंजन का हिस्सा छोड़ कर छत व पूरी बॉडी ही गायब हो चुकी थी। घटना के बाद आसपास

के सभी थानों की पुलिस के साथ ही यूपी 112 की गाड़ियां व एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया गया। पुलिस के अनुसार बोलेरो सवार परिवार लखनऊ से अपने घर देवरिया जा रहा था। हादसा शनिवार रात 11.30 बजे अहरौला थाना इलाके के खदारामपुर गांव के पास हुआ। बोलेरो की रफ्तार तेज थी, ट्रैक्टर-ट्रॉली में बांस लदे थे, जो कि ट्रॉली से बाहर निकले थे। अंधेरे के कारण चालक अंदाजा नहीं लगा पाया और ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से टक्कर मार दी। परिजनों के अनुसार मृतक कैलाश इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। वह अपनी पत्नी नीतू को इलाज के लिए लेकर लखनऊ गया था। इनके तीन पुत्र व एक पुत्री हैं, सभी नाबालिग हैं।

बसपा ने नगर निगम चुनावों में मुसलमानों को उचित भागीदारी देकर सांप्रदायिक दलों की नींद उड़ाई : मायावती

(संवाददाता)

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी द्वारा नगर निगम चुनावों में मुस्लिम समाज को उचित भागीदारी दिए जाने के कारण ''जातिवादी एवं साम्प्रदायिक'' दलों की नींद उड़ी हुई है। उत्तर प्रदेश में चार मई और 11 मई को नगर निकाय चुनाव होने हैं और मतगणना 13 मई को की जाएगी। बसपा प्रमुख ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के तहत 17 नगर निगमों में महापौर पद के लिए हो रहे चुनाव में बसपा द्वारा मुस्लिम समाज को भी उचित भागीदारी देने को लेकर यहां राजनीति काफी गरमाई हुई है और इससे खासकर जातिवादी एवं साम्प्रदायिक दलों की नींद उड़ी हुई है। मायावती ने कहा, ''बसपा 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति व सिद्धांत पर चलने वाली आंबेडकरवादी पार्टी है तथा इसने इसी आधार पर उत्तर प्रदेश में चार बार अपनी सरकार चलाई। इसने मुस्लिम एवं अन्य समाज को भी हमेशा उचित प्रतिनिधित्व दिया। अत: मैं लोगों से विरोधियों के षड्यंत्र के बजाय अपने हित पर ध्यान केंद्रित करने की अपील करती हूं। गौरतलब है कि बसपा ने दो चरणों में होने वाले नगर निकाय चुनावों में महापौर के पदों के लिए 64 फीसद से ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवार उतारकर न केवल राज्य की करीब 20 फीसद मुस्लिम आबादी को साधने की कोशिश की है, बल्कि समाजवादी पार्टी (सपा) के परंपरागत वोट बैंक में बिखराव की संभावना भी बढ़ा दी है। राजनीतिक जानकार इसे 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए मुसलमानों के बीच पैठ बनाने की बसपा की एक रणनीति मान रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि इससे सपा के परम्परागत मुस्लिम वोट बैंक में सेंध लग सकती है। वहीं, सपा और कांग्रेस ने इसे वोट काटने की रणनीति करार दिया है। बसपा ने लखनऊ, मथुरा, फिरोजाबाद, सहारनपुर, प्रयागराज, मुरादाबाद, मेरठ, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, अलीगढ़ और बरेली नगर निगमों में महापौर पद के लिए मुस्लिम उम्मीदवार खड़े किए हैं। वहीं, सपा और कांग्रेस ने सिर्फ चार-चार मुस्लिम उम्मीदवारों पर दांव लगाया है। भाजपा ने महापौर की किसी भी सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा है।

यूपी में सांड़ संभाल रहे ट्रैफिक व्यवस्था : अखिलेश

आपस में टकरा रहे डबल इंजन

(संवाददाता)

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के गोरखपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर पार्टी जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार गौतम सहित नेताओं कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

नंदानगर में सभा को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि गोरखपुर की जनता ने बदलाव का मन बनाया है। आपने पहले भी दिल्ली लखनऊ की सरकार देखी है। बरसात में गोरखपुर में गाड़ी नहीं नाव चलती है, सड़क नीची है नाली ऊपर है पानी कहां से निकलेगा जो सरकार नाले न बना पाई हो उस के पक्ष में मतदान कैसे होगा।पूर्व सीएम ने कहा कि सीएम ने मेट्रो चलाने का वादा किया था कहां है मेट्रो स्टेशन ? मुख्यमंत्री गोरखधंधा करते हैं। कागज पर मेट्रो बना रहे हैं साफ सुथरी सुरक्षित यात्रा मेट्रो में होती है प्रदेश में जहां भी मेट्रो चल रही है सभी सपा सरकार की देन है। मुझे लगता है सीएम मेट्रो को अगर समझते तो मेट्रो से सभी लोग चल रहे होते ,नालिया साफ नहीं हो पा रही है, यह लोग रोज नए नए मुद्दे उठाकर हिंदू-मुस्लिम की खाई पैदा करते हैं, मुख्यमंत्री अपने मुकदमे वापस नहीं लेते तो उनकी सूची सबसे बड़ी थी, देश कानून संविधान से चले इसका संदेश जाना चाहिए इस चुनाव का संदेश 2024 का संदेश होगा यह चुनाव जीतना है। निषाद समाज के लोग कहते हैं मठ हमारा है, आप लोग निषाद समाज की महापौर बना सकते हैं ।सपा ने पहले भी यहां निषाद समाज के व्यक्ति को प्रत्याशी बनाकर जिताया था,

गोरखपुर के बड़े कारखाने पर छापा दिल्ली वालों ने मारा है ।प्रधानमंत्री आवास के पास उनके वाईफाई का इस्तेमाल करने वाले पर छापा यूपी वालों ने मारा, दिल्ली वाले यूपी पर छापा मार रहे हैं। यूपी वाले दिल्ली पर छापा मार रहे है। कहीं डबल इंजन टकरा तो नहीं रहे हैं। दिल्ली के पास बहुत सी संस्थाएं होने के बावजूद यूपी के लोग दिल्ली में छापा मार रहे हैं, यूपी में डीजीपी परमानेंट नहीं है ।सपा सरकार होती तो लोग सवाल उठाते, जो सरकार डीजीपी न पोस्ट कर पाए उससे कमजोर कोई सरकार नहीं हो सकती, साड़ इस सरकार में ट्रैफिक संभाल रहे हैं, सरकार झूठ बोलती है कि सौ में 4 बेरोजगार है यह कोई कैसे मान सकता है। नौजवानों के पास नौकरी और काम नहीं है।

संपादकीय

आदित्य नारायण चोपड़ा

इधर ग्लोबल वार्मिंग से मौसम के मिजाज में खासा बदलाव आया है। कब बारिश हो जाये कहना मुश्किल है। हालांकि, अब मौसम विभाग को उपग्रहों के संबल से मौसम की सटीक भविष्यवाणी करना संभव हुआ है। कुछ दिन पहले बता दिया जाता है कि फ्लां दिन मौसम खराब होगा या बारिश होगी। लेकिन वे तस्वीरें विचलित करती हैं जब मंडियों व सरकारी गोदामों के बाहर पड़ा गेहूं बारिश में भीगता दिखायी देता है। जाहिर है जिन विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की जिम्मेदारी अनाज भंडारण व संरक्षण की होती है, वे अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वाह नहीं करते। वे तस्वीरें परेशान करती रहीं जिनमें किसान मंडियों में खरीद के लिये रखे अनाज को बारिश से बचाने का प्रयास करते नजर आये। दरअसल, खरीद प्रक्रिया की जटिलताओं के चलते भी खरीद में विलंब होने से काफी अनाज मंडियों के परिसरों में पिछले दिनों भीगता नजर आया। खुले में खराब होता अनाज हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करता है। कैसे किसान अनाज को अपनी खून-पसीने की मेहनत से सींचता है और तंत्र की काहिली से वह अनाज खराब हो जाता है। उसकी गुणवत्ता खराब होने से किसान को अनाज औने-पौने दाम में बेचने के लिये बाध्य होना पड़ता है। यह विडंबना है कि जिस देश में भूख व कुपोषण के आंकड़े शर्मसार करते हों वहां लाखों टन अनाज संवेदनहीन तंत्र की लापरवाही से यूं ही बर्बाद हो जाता है। हमारी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक खाद्यान्न का यूं खराब हो जाना एक आपराधिक लापरवाही का ही नतीजा है। जाहिर है देश में अवैज्ञानिक तरीके से अनाज भंडारण के चलते ही ऐसी समस्या उपजती है। पिछले दिनों खबर आई कि रोहतक में किसानों को अपना अनाज बचाने के लिये उसका भंडारण श्मशान घाट के शेड में करना पड़ा। गाहे-बगाहे मीडिया में अन्न की बर्बादी की खबरें विचलित करती हैं। वहीं अनाज भंडारण व संरक्षण से जुड़े विभागों के कर्मचारियों द्वारा भी अनाज को नुकसान पहुंचाने की खबरें आई हैं।एक अनुमान के अनुसार, देश में हर साल बारह से सोलह मिलियन टन अनाज पर्याप्त भंडारण सुविधा के अभाव में बर्बाद हो जाता है। इतना अनाज देश के एक तिहाई गरीबों को खिलाने के लिये पर्याप्त होता। लेकिन दशकों से चले आ रहे संकट के बावजूद वैज्ञानिक रूप से सुदृढ़ भंडारण की दिशा में गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आये। इसके लिये जरूरत के मुताबिक निवेश किया ही नहीं गया। होना तो यह चाहिए था कि फसल की कटाई के बाद नुकसान को कम करने के लिये नयी तकनीक के इस्तेमाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती। जिससे लाखों टन अनाज को बर्बाद होने से बचाया जा सकता। कोरोना महामारी तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पूरे विश्व में पैदा हुए खाद्यान्न संकट के मद्देनजर अनाज के महत्व को समझा जाना चाहिए। दरअसल, अनाज के उत्पादन से लेकर उपभोग तक की आपूर्ति श्रृंखला के प्रत्येक चरण में यह नुकसान होता है। इसके अलावा खाद्यान्न की मात्रा के साथ ही गुणात्मकता के लिये सुरक्षित भंडारण की सुविधा बेहद जरूरी है। एक अध्ययन के मुताबिक अनाज की कटाई, थ्रेसिंग, परिवहन व भंडारण के दौरान भारी मात्रा में अनाज बर्बाद हो जाता है। प्रतिकूल मौसम में आये दिन होने वाली बारिश व ओलावृष्टि से हम अनाज को पूरी तरह से सुरक्षित नहीं कर पाये हैं। वहीं दूसरी ओर हर साल किसान अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहे हैं। आज स्टील का ढांचा बनाकर उसे प्लास्टिक आदि की चादरों से ढककर अनाज भंडारण की अस्थायी व्यवस्था की जाती है, लेकिन छोटे किसान के लिये यह व्यावहारिक नहीं है। हालांकि ग्राम पंचायत स्तर पर प्रौद्योगिकी संचालित सुविधाएं स्थापित करने के सामूहिक प्रयास कारगर हो सकते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि ग्रामीण स्तर पर गोदामों के लिये एक राष्ट्रीय ग्रिड बनाया जाये। राष्ट्रीय अनाज बोर्ड की स्थापना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है। साथ ही किसानों को राष्ट्रीय स्तर पर जागरूक करना होगा कि अनाज के भंडारण व प्रभावी कीट प्रबंधन के लिये कैसे वैज्ञानिक तौर-तरीके अपनाये जाने चाहिएं।

तबस्सुम की सफलता और कुछ सवाल

कर्नाटक की छात्रा तबस्सुम शेख ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अप्रैल के महीने में हिंदुस्तान के लोग लगभग हर साल इसी तरह की सुर्खियों को देखते हैं कि लड़कियों ने लड़कों को पछाड़ा या बोर्ड में लड़कों से आगे रही लड़कियां, आदि आदि। लेकिन तबस्सुम का मामला कुछ अलहदा है, उन् होंने बोर्ड में पहला स्थान हिजाब विवाद के बीच हासिल किया है। पाठक जानते हैं कि कर्नाटक के शिक्षण संस्थानों में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने पर बड़ा विवाद खड़ा हुआ, जिसके लिए अदालत का दरवाजा भी खटखटाया गया।कर्नाटक की भाजपा सरकार ने पिछले साल की शुरुआत में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर पाबंदी लगा दी थी, क्योंकि यह एक धार्मिक लिबास है और सरकार इसे स्कूल-कॉलेज के ड्रेस कोड के अनुरूप नहीं मानती। लेकिन फिर भी कई लड़कियों ने हिजाब पहनना नहीं छोड़ा, तो उन्हें कक्षा में बैठने की अनुमति ही नहीं दी गई। कुछ जगहों पर हिंदुत्व के प्रचारक युवा केसरिया गमछा पहनकर विरोध करने लगे। हिजाब पहनी मुस्लिम छात्राओं को भयभीत करने के लिए जय श्रीराम के नारे भी कुछ जगहों पर लगे। हाईकोर्ट ने भी शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं दी। सरकार के फैसले के खिलाफकई लड़कियों ने अपील दायर की, तबस्सुम भी उन्हीं में से एक थी। बहुत सी लड़कियों ने हिजाब न पहनने के कारण कक्षाओं में जाना छोड़ दिया और कई का तो साल भी बर्बाद हो गया, क्योंकि वे परीक्षा नहीं दे पाईं। लेकिन तबस्सुम के पिता ने उन्हें समझाया कि कानून का पालन करना चाहिए और शिक्षा बच्चों के लिए किसी भी चीज से अधिक महत्वपूर्ण है। तबस्सुम ने उनकी नसीहत पर अमल करते हुए हिजाब के ऊपर शिक्षा को चुना और उम्दा अंक लाकर अव्वल स्थान प्राप्त किया। तबस्सुम की यह सफलता की कहानी अब टीवी चौनलों से लेकर कई बड़े अखबारों में छाई हुई है। कोई लड़की तमाम विवादों के बीच अगर अच्छे से पढ़कर पहला स्थान हासिल करे, तो वह वाकई अन्य विद्यार्थियों के लिए मिसाल है। क्योंकि बहुत से बच्चे सारी सुख-सुविधाओं और संसाधनों के बावजूद पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते हैं, अपनी काबिलियत का सही इस्तेमाल नहीं करते हैं। लेकिन तबस्सुम की सफलता की कहानी जिस तरह सुनाई-दिखाई जा रही है, उसे बहुत बारीकी से देखें तो कहानी के पीछे कोई और ही कहानी नजर आएगी। लगभग हर जगह यही बताया जा रहा है कि तबस्सुम ने हिजाब के ऊपर शिक्षा को चुना। तो क्या यह सवाल नहीं किया जाना चाहिए कि हिजाब और शिक्षा को एक पलड़े में रखा कैसे गया। किसने ऐसा करने दिया। किसी बच्ची को दोनों में से किसी एक को चुनना पड़े, ऐसी नौबत क्यों आई। अगर तबस्सुम में हिजाब में रहती, तो क्या उसकी मेधा पर कोई असर पड़ता। या हिजाब न पहनने के कारण उसकी बौद्धिक क्षमता इतनी बढ़ गई कि वह सीधे प्रथम स्थान पर आ गई। तबस्सुम शुरु से मेधावी और मेहनती दोनों रही होगी, तभी उसने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की। तबस्सुम के अच्छे अंक देखकर तो यह विचार भी आता है कि उसकी तरह और भी दूसरी लड़कियां ऐसी प्रतिभाशाली होंगी, लेकिन उन्होंने हिजाब और शिक्षा में हिजाब को चुना, तो वे परीक्षा ही नहीं दे पाईं। तबस्सुम का साक्षात्कार लेने वाले कई पत्रकारों ने उनसे कई सवाल किए होंगे, लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि इस्लाम का पालन करने वाली छात्राओं के सामने इस तरह विकल्प चुनने की नौबत क्यों आई। हिजाब पहनना या न पहनना किसी की व्यक्तिगत पसंद होनी चाहिए और यह पैमाना हर धर्म और हर नागरिक के लिए होना चाहिए। तभी व्यक्तिगत आजादी का अधिकार कायम रहेगा। यह सही है कि भारत धर्मनिरपेक्ष देश है और शिक्षा संस्थानों में किसी भी धर्म को बढ़ावा दिए जाने वाली गतिविधियों को करना नैतिक रूप से सही नहीं है। मगर कितने ही विद्यालयों में प्रार्थना के बाद गायत्री मंत्र उच्चारित किया जाता है। सरस्वती की मूर्ति अनेक शैक्षणिक परिसरों में है, क्योंकि उन्हें ज्ञान की देवी माना जाता है। बोर्ड के विद्यार्थियों को परीक्षा का दाखिला पत्र मिलने के वक्त यज्ञ और हवन करवाने की परिपाटी कई विद्यालयों में है। यह सब बरसों-बरस होते आया है और इस पर कोई विवाद, कोई हंगामा नहीं हुआ। क्योंकि भारत की तहजीब ऐसी ही है। मगर हिजाब पहनने पर जिस तरह का विवाद खड़ा हुआ और इस पर राजनीति हुई, उससे न जाने कितनी बच्चियों के पढ़ने और बढ़ने के सपने कुचल दिए गए हैं।

नितीश बाबू की विपक्षी एकता

लोकतन्त्र की मजबूती की शर्तों में एक बड़ी शर्त यह भी मानी जाती है कि इसमें विपक्ष को भी मजबूत होना चाहिए जिससे इस प्रणाली के तहत गठित हुई जनता की सरकार सर्वदा जनता के प्रति उत्तरदायी रह सके। स्वतन्त्र भारत के इतिहास में ऐसे मौके बहुत कम ही गिनाये जा सकते हैं जब विपक्ष कमजोर रहा हो वरना पहले 1952 के चुनावों से लेकर अब तक विपक्ष केवल 1984 के लोकसभा चुनावों में ही सबसे कमजोर कहा जा सकता है। जब लोकसभा की कुल 545 सीटों में केवल 514 पर ही मतदान हुआ था और कांग्रेस पार्टी को 404 सीटें प्राप्त हुई थीं (असम और पंजाब की सीटों पर तब मतदान नहीं हुआ था) जबकि 1952 में कुल लोकसभा सीटें 498 ही थीं और उनमें से कांग्रेस को 364 सीटें प्राप्त हुई थीं। वर्तमान में लोकसभा में भाजपा की 303 सीटें हैं और शेष अन्य दलों की हैं जिनमें कुछ भाजपा के सहयोगी दलों की भी हैं जिससे कुल आंकड़ा साढे तीन सौ के आसपास का बैठता है। अत: यह अवधारणा कि विपक्ष बहुत कमजोर है तर्क संगत नहीं लगता है मगर यह भी हकीकत है कि वर्तमान लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के मात्र 53 सदस्य ही हैं और शेष सदस्य अन्य सभी विपक्षी दलों के हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव आने से पहले इन सभी भाजपा विरोधी दलों को इकट्ठा करने की मुहीम पर आजकल बिहार के मुख्यमन्त्री व जनता दल (यू) के नेता श्री नीतीश कुमार देश भ्रमण पर अपने उपमुख्यमन्त्री व राष्ट्रीय जनता दल के नेता श्री तेजस्वी यादव के साथ निकले हुए हैं। विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी यह लगती है कि वह आपस में बुरी तरह बंटा हुआ है और अपने-अपने क्षेत्रीय स्वार्थ के अधीन आसक्त है। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस को छोड़ कर जितने भी प्रमुख विपक्षी दल हैं वे लगभग सभी क्षेत्रीय दल हैं और अपने-अपने राज्यों में खासे मजबूत माने जाते हैं। हालांकि नीतीश बाबू की पार्टी जनता दल (यू) भी बिहार का ही एक क्षेत्रीय दल है मगर उनका विश्वास है कि मौजूदा सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा का राष्ट्रीय विकल्प देना वर्तमान परिस्थितियों में समय की मांग है । मगर इस विकल्प की जमीन बनाने का काम कांग्रेस के नेता श्री राहुल गांधी ने अपनी चार महीने से अधिक चली 'भारत-जोड़ो यात्रा' करके ही किया। इस सत्य को भी सभी विरोधी दलों को स्वीकार करना होगा। राहुल गांधी ने इस यात्रा के दौरान भारत राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना का जो विमर्श आम जनता में दिया उसका मूल 'विविधता में एकता' का ही था अत: नीतीश बाबू जिस विपक्षी एकता की मुहीम पर निकले हैं उसके लिए राहुल गांधी का विमर्श ही विभिन्न विचारधारा वाले राजनैतिक दलों को एक मंच पर लाने का सूत्र होगा। नीतीश बाबू की सबसे बड़ी कोशिश यह है कि ऐसी चुनावी व्यूह रचना की जाये जिससे लोकसभा की अधिसंख्य सीटों पर 2024 में भाजपा के प्रत्याशी के मुकाबले विपक्ष का एक ही साझा प्रत्याशी उतारा जाये जिससे विपक्ष की विभिन्न पार्टियों के प्रत्याशियों के बीच में भाजपा विरोधी मतों का बंटवारा होने से रोका जाये। चुनावी अंक गणित के हिसाब से यह समीकरण सही लगता है मगर राजनीति केवल अंक गणित ही नहीं होती है बल्कि वह रसायन शास्त्र (कैमिस्ट्री) होती है जिसमें विभिन्न 'द्रव्य' मिल कर एक 'भौतिक आकार' ग्रहण करते हैं। राष्ट्रीय चुनावों में सबसे बड़ा महत्व उस राजनैतिक एजेंडे का माना जाता है जिसमें मतदाता का राष्ट्रीय सरोकार उसके स्तर पर उतर कर उसे भावना से लेकर एक नागरिक के स्तर तक मिले लोकतान्त्रिक अधिकारों को प्रभावित करता है। समूचा विपक्ष यदि एकजुट होना चाहता है तो उसे सबसे पहले इसी एजेंडे के बारे में सोचना होगा और तय करना होगा कि उसके खड़े किये गये विमर्श की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता क्षेत्रीय हितों को दरकिनार करके किस प्रकार हो सकती है। राजनीति का रसायन शास्त्र यही है जिससे समूचा विपक्ष एक भौतिक आकार में दिखाई पड़ सके। नीतीश बाबू ने कोलकोता में तृणमूल कांग्रेस की सर्वेसर्वा व मुख्यमन्त्री ममता दी से भेंट करने के बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमन्त्री व समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से भी भेंट की। इन दोनों नेताओं ने ही मुलाकात के बाद एकता पर सहमति व्यक्त की मगर यह सहमति तब तक अधूरी मानी जायेगी जब तक ये दोनों नेता इस बात पर सहमत न हों कि वे अपने-अपने राज्यों में ऐसी राजनैतिक परिस्थितियों का निर्माण नहीं करेंगे जिसमें भाजपा प्रत्याशियों को अपनी जीत के लिए उनके द्वारा खड़े किये गये विमर्श पर रक्षात्मक पाले में जाकर न खड़ा होना पड़े।

जहां तक ममता दी के प. बंगाल का सवाल है तो अपने राज्य में जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बाद भाजपा को पैर जमाने देने के लिए वही जिम्मेदार हैं। यह काम वह 1999 के लोकसभा चुनावों के बाद से ही करती आ रही हैं। वहीं दूसरी तरफउत्तर प्रदेश में माननीय अखिलेश यादव के पिता स्व. मुलायम सिंह यादव के जमाने से ही 1989 के बाद से राज्य में भाजपा व समाजवादी पार्टी के बीच हिन्दुत्व व मुस्लिम तुष्टीकरण के नाम पर आमने-सामने की लड़ाई होती आ रही है। बीच में मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने भी दंगल में कूद कर लड़ाई को त्रिकोणात्मक जरूर बनाया मगर अब उनके अस्तित्व पर ही संकट आ गया है परन्तु अब भाजपा के तूफान के समक्ष इन सभी पार्टियों को अपने अस्तित्व पर ही संकट आता दिखाई दे रहा है। इसकी वजह भाजपा की वह चतुर रणनीति है जिसने विभिन्न राजनैतिक दलों के जनाधार को अपने विमर्श से भीतर तक प्रभावित कर डाला है। अत: नीतीश बाबू का काम बिल्कुल वैसा ही हो सकता है जैसा कि 1974 में स्व. जय प्रकाश नारायण का था जब उन्होंने कांग्रेस की इन्दिरा गांधी सरकार के खिलाफचौधरी चरण सिंह से लेकर मार्क्सवादी पार्टी और जनसंघ को एक मंच पर लाकर खड़ा कर दिया था।

षड्यंत्र और राजनीति का हिस्सा धर्म परिवर्तन

डॉ प्रियंका सौरभ

सुप्रीम कोर्ट मानता है कि धर्म परिवर्तन एक गंभीर मुद्दा है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। धर्म परिवर्तन राजनीतिक मुद्दा है या आस्था का मामला? लोगों को जबरन धर्मांतरण, प्रलोभन या लालच आदि के प्रावधानों और तरीकों के बारे में भी शिक्षित करने की आवश्यकता है। जबरन धर्मांतरण की सजा को पहले के 10 साल से घटाकर एक से पांच साल कर दिया गया। धर्म परिवर्तन से जुड़ा विवाह अवैध है। यदि धर्मांतरण में नाबालिग, महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य शामिल है, तो कारावास दो से सात साल है। आस्था परिवर्तन हृदय का विषय है। आप राजनीतिक भाषा शैली और ऐसे प्रतीकों को अपनाकर किसी के अंतर्मन नहीं बदल सकते। गांधी जी इसी कारण धर्म परिवर्तन के विरुद्ध थे। उनका मानना था कि समाज सुधार के काम में धर्म परिवर्तन की भूमिका नहीं है। जाहिर है, धर्म परिवर्तन के पीछे दिए गए तर्कों को स्वीकार करना कठिन है। धर्म के अधिकार में धोखाधड़ी, धोखे, जबरदस्ती, लालच और अन्य तरीकों से अन्य लोगों को धर्मांतरित करने का अधिकार शामिल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक आदेश में बाधा डालने के अलावा, धोखाधड़ी या प्रेरित धर्मांतरण अंतरात्मा की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है। इसलिए, बलपूर्वक धर्मांतरण को विनियमितध्प्रतिबंधित करने के लिए राज्य अपनी शक्ति के भीतर अच्छी तरह से है। भारत में, कोई भी कानून यह प्रतिबंधित नहीं करता है कि कौन से धर्म एक दूसरे में परिवर्तित हो सकते हैं । भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 सभी नागरिकों को धर्म की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसमें अपना धर्म बदलने का अधिकार भी शामिल है। हालाँकि, भारत में धर्म परिवर्तन के लिए कोई कानूनी बाधाएँ नहीं हैं, लेकिन सामाजिक बाधाएँ अक्सर होती हैं। स्वतंत्रता भारतीय संविधान में परिकल्पित मौलिक अधिकार है। धर्म की स्वतंत्रता उन अधिकारों में से एक है जिन पर मौलिक स्तंभ आधारित है। भारत में, धर्म जीवन के हर पहलू में एक भूमिका निभाते हैं लेकिन साथ ही धर्म व्यक्ति के लिए है। किसी भी धर्म को दिल और पेशे से चुनना किसी भी कानून द्वारा प्रतिबंधित नहीं होना चाहिए। ऐसा कोई भी धर्मांतरण विरोधी कानून अन्यथा ष्किसी भी धर्म को चुनने और मानने की स्वतंत्रताष् के मूल सिद्धांत को कम कर देगा और संविधान की भावना के खिलाफ जाएगा। इसके अलावा, भारत जैसे देश में जहां धर्मनिरपेक्षता प्रस्तावना का एक तत्व है, वास्तव में जिस चीज की जरूरत है वह समाज के कमजोर और कमजोर वर्गों की रक्षा करना है, जिन्हें कभी-कभी अपना धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है। कभी-कभी लोग अपनी खुशहाली बनाए रखने के लिए सामाजिक परिस्थितियों में अपना धर्म बदल लेते हैं और अगर इस तरह के प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो यह उन पर गंभीर प्रभाव डालेगा। ऐसे कानूनों की कई कानूनी विद्वानों ने तीखी आलोचना की है जिन्होंने तर्क दिया था कि श्लव जिहादश् की अवधारणा का कोई संवैधानिक या कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 21 की ओर इशारा किया है जो व्यक्तियों को अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने के अधिकार की गारंटी देता है। साथ ही, अनुच्छेद 25 के तहत, विवेक की स्वतंत्रता, किसी भी धर्म का पालन न करने सहित अपनी पसंद के धर्म के अभ्यास और रूपांतरण की भी गारंटी है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई निर्णयों में यह माना है कि राज्य और अदालतों के पास जीवन साथी चुनने के वयस्क के पूर्ण अधिकार पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। लिली थॉमस और सरला मुद्गल दोनों ही मामलों में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पुष्टि की है कि बिना किसी प्रामाणिक विश्वास के और कुछ कानूनी लाभ प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य के लिए किए गए धार्मिक रूपांतरण में दम नहीं है। सलामत अंसारी-प्रियंका खरवार इलाहाबाद उच्च न्यायालय 2020 का मामलारू एक साथी चुनने या पसंद के व्यक्ति के साथ रहने का अधिकार नागरिक के जीवन और स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का हिस्सा था। मानव अधिकारों पर सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 18 में उल्लेख किया गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना विश्वास बदलने सहित धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार है। चूंकि यह एक राज्य का विषय है, इसलिए केंद्र अनुबंध खेती आदि पर मॉडल कानून जैसे मॉडल कानून बना सकता है। धर्मांतरण विरोधी कानून बनाते समय राज्यों को उस व्यक्ति के लिए कोई अस्पष्ट या अस्पष्ट प्रावधान नहीं रखना चाहिए जो अपनी मर्जी से धर्म परिवर्तन करना चाहता है। धर्मांतरण विरोधी कानूनों में अल्पसंख्यक समुदाय संस्थानों द्वारा धर्मांतरण के लिए वैध कदमों का उल्लेख करने का प्रावधान भी शामिल करने की आवश्यकता है। कोई अपनी इच्छा से किसी दूसरे धर्म को अपनाए यह उसका विषय है लेकिन सामूहिक रूप से लोगों को भड़का कर धर्म परिवर्तन को आक्रामक रैली में परिणत करना भयावह दृश्य उत्पन्न करता है। इससे समाज और देश का केवल अहित ही होगा। कुल मिलाकर यह क्षोभ और चिंता का विषय है। धर्म मानव को कर्तव्यों के द्वारा मनुष्यता के उच्चतम शिखर पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है उसे इस तरह राजनीतिक शैली की रैलियां न बनाया जाए यही सबके हित में है। वैसे आर्य समाजी राम, कृष्ण को भगवान नहीं मानते लेकिन महापुरुष मानते हैं। हमारे इतिहास के अनुसार श्री राम इक्ष्वाकू वंश की 65 वीं पीढी थे और महात्मा बुद्ध 123 वीं पीढ़ी। इस नाते वंशावली से भी राम को अपना पूर्वज मानने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। अश्वघोष ने महात्मा बुध की जीवनी लिखी है और उसमें वंशावली मिल गई तो फिर इसको अस्वीकार करने का कोई कारण नहीं। आखिर अश्वघोष बौद्ध मुनि थे। लोगों को जबरन धर्मांतरण, प्रलोभन या लालच आदि के प्रावधानों और तरीकों के बारे में भी शिक्षित करने की आवश्यकता है। जबरन धर्मांतरण की सजा को पहले के 10 साल से घटाकर एक से पांच साल कर दिया गया। धर्म परिवर्तन से जुड़ा विवाह अवैध है। यदि धर्मांतरण में नाबालिग, महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य शामिल है, तो कारावास दो से सात साल है।

अमृतपाल सिंह मामले से निबटने में केंद्र और पंजाब सरकार ने बड़ी सूझबूझ का परिचय दिया

खालिस्तान की मांग का समर्थन करने वाले अमृतपाल सिंह के गिरफ्तार होने के बाद अब अलग-अलग प्रतिक्रयाएं आ रही हैं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूरे घटनाक्रम पर कहा कि पिछले कुछ दिनों से पंजाब के अमन-शांति को बर्बाद करने की कोशिश की जा रही थी।

अमृतपाल को गिरफ्तार करके डिब्रूगढ़ भेज दिया गया है, लेकिन उससे गहन पूछताछ करने की आवश्यकता है, ताकि यह जाना जा सके कि वह दुबई से अचानक पंजाब किसके इशारे पर आया और किनके सहयोग और समर्थन से उसने पंजाब में अराजकता का माहौल बनाना शुरू किया। वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पुलिस ने मोगा जिले से गिरफ्तार कर लिया है जो 18 मार्च से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस उसे बठिंडा के एयरफोर्स स्टेशन लेकर गई, जहां से उसे असम के डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। खालिस्तान की मांग का समर्थन करने वाले अमृतपाल सिंह के गिरफ्तार होने के बाद अब अलग-अलग प्रतिक्रयाएं आ रही हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पूरे घटनाक्रम पर कहा कि पिछले कुछ दिनों से पंजाब के अमन-शांति को बर्बाद करने की कोशिश की जा रही थी। अगर चाहते तो उस दिन ही सभी को पकड़ लिया जाता लेकिन पंजाब सरकार कोई खून-खराबा नहीं चाहती थी। उन्होंने कहा, पंजाब में पिछले कुछ महीनों से कानून-व्यवस्था और अमन-शांति को तोड़ने की कोशिश हो रही थी, जैसे ही हमें इसकी जानकारी मिली हमने एक्शन लिया। हम किसी बेकसूर को तंग नहीं करेंगे। हम कोई बदले की राजनीति नहीं करते। मान ने कहा कि वो 3.5 करोड़ पंजाबियों का इस बात के लिए धन्यवाद करते हैं कि इस 35 दिनों में उन्होंने अमन-शांति और आपसी भाईचारे को बनाकर रखा। देखा जाये तो पंजाब में कृषि का जबरदस्त विकास मुख्यत: हरित क्रांति का परिणाम है, जिसने राज्य में आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी की शुरुआत की। अधिक पैदावार वाले गेहूँ और चावल के बीजों के आगमन के साथ ही इन फसलों के उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई। पंजाब का लगभग समूचा कृषि क्षेत्र सिंचित है और इस प्रकार यह देश का सर्वाधिक सिंचित प्रदेश है। सरकारी नहरें और नलकूप सिंचाई के प्रमुख साधन हैं। यहां के लोग संपन्न एवं मिलनसार होते हैं। गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस के आईजी (हेडक्वॉर्टर्स) सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि अमृतपाल सिंह के खलिाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की गई है। देर से ही सही, पंजाब पुलिस ने इस उग्र और अराजक खालिस्तानी समर्थक को पकड़ने में सफलता हासिल की। आखिरकार भगोड़े अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी गिरफ्तारी के संदर्भ में यह तथ्य चिंताजनक है कि वह एक गुरुद्वारे में शरण लिए हुए था। आखिर पंजाब के साथ देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने एक चरमपंथी को गुरुद्वारे में शरण क्यों मिली? इस प्रश्न का उत्तर न केवल संबंधित गुरुद्वारे के व्यवस्थापकों को देना चाहिए, बल्कि उन पंथिक संगठनों को भी, जो पंजाब के माहौल में जहर घोल रहे अमृतपाल की निंदा करने की बजाय पंजाब सरकार और पुलिस पर अनावश्यक सवाल उठाने में लगे हुए थे। अमृतपाल के इरादे कितने खतरनाक थे, इसका पता इससे चलता है कि वह खुद को भारतीय नागरिक मानने से तो इंकार करता ही था, अपनी एक निजी सेना बनाने की तैयारी भी कर रहा था। उसके इरादों पर पानी फिरा तो इसीलिए, क्योंकि पंजाब में अब अलगाववादी सोच के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। चंद सिरफिरे मुट्ठी भर तत्व ही खालिस्तान की आवाज उठाते रहते हैं। इन तत्वों को सिर उठाने का अवसर नहीं दिया जाना चाहिए। यह तभी संभव होगा, जब पंजाब के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठन अमृतपाल सरीखे खतरनाक तत्वों के खिलाफएक सुर में बोलेंगे। जब मामला राष्ट्रीय सुरक्षा का हो तब फिर संकीर्ण स्वार्थों वाली राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी जिस जगह से हुई वो इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि मोगा जिले का रोडे, ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान मारे गए जरनैल सिंह भिंडरांवाले का गाँव है। इसी गाँव में पिछले साल सितंबर में अमृतपाल को 'वारिस पंजाब दे' संगठन का मुखिया बनाया गया था। अमृतपाल सरीखे अराजक, अलगाववादी और विभाजनकारी तत्व की पैरवी करना आग से खेलना है। किसी के लिए भी समझना कठिन है कि विभिन्न पंथिक संगठनों ने उस अराजकता के खिलाफ आवाज उठाने में संकोच क्यों किया, जो अजनाला थाने में अमृतपाल और उसके समर्थकों की ओर से की गई थी। अजनाला में केवल अराजकता ही नहीं की गई थी, बल्कि श्री गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी भी की गई थी। इस बेअदबी की जांच कराने वाले जिस तरह मौन साध कर बैठ गए, उससे वे स्वत: ही कठघरे में खड़े दिख रहे हैं। अमृतपाल को गिरफ्तार करके डिब्रूगढ़ भेज दिया गया है, लेकिन उससे गहन पूछताछ करने की आवश्यकता है, ताकि यह जाना जा सके कि वह दुबई से अचानक पंजाब किसके इशारे पर आया और किनके सहयोग और समर्थन से उसने पंजाब में अराजकता का माहौल बनाना शुरू किया। यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं हुआ कि पंजाब के कुछ संगठन उसे दबे-छिपे रूप में और कुछ खुले तरीके से समर्थन दे रहे थे। वास्तव में इसी कारण वह भिंडरांवाला के गांव जाकर खुद को एक उपदेशक के रूप में पेश करने में सफल रहा। स्पष्ट है कि उसके समर्थकों को भी कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है। राजनीतिक दल के नेताओं ने अपने-अपने ढंग से इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। केजरीवाल ने लिखा, सीएम भगवंत मान साहिब ने इस मिशन को परिपक्वता और साहस से पूरा किया। बिना किसी रक्तपात और गोली चलाए पंजाब पुलिस ने कामयाबी हासिल की।' आम आदमी पार्टी के ही राज्य सभा सांसद संजय सिंह इस गिरफ्तारी को साहसिक कदम बताया है। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी पर शिरोमणि अकाली दल ने कहा है कि अब पंजाब पुलिस को सिख नौजवानों की बेवजह गिरफ्तारी रोक देनी चाहिए। वहीं, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी में हुई देरी को लेकर पंजाब सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कानून के हाथ लंबे होते हैं। दहशत और भय फैलाने वालों पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। थोड़ा ज्यादा समय लगा पंजाब को, ये जल्दी होता तो और अच्छा था। वहीं, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक दिन पहले ही पंजाब पुलिस की तारीफ करके संकेत दे दिया कि राजनीतिक भेद-मतभेद चाहे जितने भी हों, लेकिन जब बात राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने की हो, तो उनसे ऊपर उठना हम जानते हैं। इस दौरान अकाल तख्त ने जिस बारीकी से धर्म और उसके दुरुपयोग के बीच फर्क को रेखांकित करते हुए खुद को अमृतपाल की करतूतों से अलग किया, वह न केवल सराहनीय है बल्कि आगे के लिए भी मिसाल पेश करता है। सही समय पर दिखाई गई यही सावधानी, गंभीरता और जिम्मेदारी की भावना किसी राष्ट्र की असली ताकत होती है। यह सराहनीय है कि अमृतपाल के मामले में पंजाब और केंद्र सरकार ने आपसी सहयोग और समन्वय का परिचय दिया।

CMYK

पहली कक्षा में दाखिले के लिए 6 साल होना अनिवार्य

एनईपी के तहत प्रावधानों में किया गया बदलाव, शासन ने जारी किया आदेश

संवाददाता

लखनऊ। एनईपी यानी नई शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के साथ ही पहली कक्षा में के लिए अब न्यूनतम आयु सीमा 6 वर्ष निर्धारित कर दी गई है। केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में जारी दिशा-निर्देश के आधार पर अब राज्य सरकार ने न्यूनतम आयु सीमा संबंधी शासनादेश शुक्रवार को जारी कर दिया है।

बड़ी बात यह हैं कि इसे सत्र 2024-25 से किया जाएगा लागू। इसके तहत अब प्रदेश के किसी भी स्कूल में 6 वर्ष या उससे अधिक आयु के बच्चों का ही पहली कक्षा में प्रवेश दिया जा सकेगा। हालांकि आयु के पुनर्निधारण के कारण तय आयु सीमा 6 इस सत्र में तीन-चार माह का अन्तर ही रह जाता है मसलन एक अप्रैल से 31 जुलाई के मध्य 6 वर्ष की आयु पूर्ण करने की दशा में कोई बच्चा प्रवेश से वंचित हो रहा है तो उन्हें निर्धारित आयु में शिथिलता प्रदान करते हुए शैक्षिक सत्र के प्रारम्भ में ही प्रवेश की सुविधा अनुमन्य किए जाने की अनुमति सरकार ने प्रदान कर दी है। इसका उल्लेख शासनादेश में भी करते हुए लिखा गया है कि वर्तमान में जिन बच्चों का कक्षा एक में प्रवेश हुआ है और जिनकी आयु 5 से 6 वर्षों के बीच है, उन्हें कक्षा एक में अध्ययन की अनुमति पूर्व के वर्षों की भांति प्रदान की जाएगी। आदेश निर्गत होने के बाद होने वाले नामांकन में यह सुनिश्चित कराया जाएगा कि कक्षा एक में उन्हीं बच्चों का नामांकन हो जो उस शिक्षा सत्र के 31 जुलाई तक 6 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं। आदेश में यह भी कहा गया है कि वर्तमान में प्री-स्कूल (नर्सरी, एलकेजी,यूकेजी) में अध्ययनरत ऐसे बच्चे जो कक्षा एक में दाखिले के समय 6 से कम आयु के होंगे, उन्हें कक्षा एक में प्रवेश दिया जाएगा और उनके आगे की पढ़ाई की निरंतरता में कोई भी व्यवधान नहीं होगा । आगामी वर्षों में प्री-स्कूल कक्षाएं संचालित करने वा विद्यालयों

के लिए यह बाध्यकारी होगा कि वे प्री स्कूल कक्षाओं में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु का निर्धारण इस प्रकार करें कि कोई भी बच्चा 6 वर्ष से कम की उम्र में कक्षा-1 में प्रवेश के लिए एलिजिबल हो।

जोन एक के 13 वार्ड में एक जैसी समस्याएं,सकरी गलियां, गंदे पानी की सप्लाई और अतिक्रमण के कारण लोगों को रहना होता दूभर

संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम का जोन एक शहर के मध्य में आता है। इसमें हजरत गंज, विधान सभा, अमीनाबाद, कुछ हिस्सा चारबाग, लाटूश रोड, कैसरबाग, पांच कालीदास मार्ग, डालीबाग जैसे इलाके आते हैं। 14 वार्ड वाले जोन एक में अभी तक बीजेपी का कब्जा है। हालांकि इस बार वार्ड की संख्या 13 हो गई है। पिछले चुनाव के हिसाब से करीब 50 फीसदी सीट बीजेपी के पास है। जबकि सपा के 5 और कांग्रेस के पास दो सीट है। यह सभी वार्ड और इलाके शहर की शुरुआत से है। ऐसे में ज्यादातर इलाकों में समस्याएं एक जैसी है। हजरतगंज, डालीबाग, बटलर पैलेस समेत कुछ सरकार और वीआईपी कॉलोनियों को छोड़ दिया जाए तो हर जगह एक जैसे हालात है। गंदे पानी की सप्लाई, सीवर का चोक होना, नाला चोक रहना , कूड़ा न उठाना, आवारा जानवरों का कहीं भी घूमते रहना इन वार्ड की एक जैसी समस्याएं है। महात्मा गांधी वार्ड से लेकर लालकुआं समेत कई वार्ड में नियमित कूड़ा नहीं उठता है। स्थिति यह है कि आए दिन किसी न किसी वार्ड में विरोध होते रहता है। सुबह का कूड़ा शाम या दो से तीन दिन तक नहीं उठता है। वार्ड में कई जगह सड़क टूटी हुई है। खासकर यदुनाथ सन्याल और नजर बाग वार्ड की स्थिति काफी खराब है। स्मार्ट सिटी के नाम पर भी सड़कों को दुरुस्त करने का काम चल रहा है। लेकिन काफी समय से वह बन पाई है, इसकी वजह से स्थिति काफी खराब है। अमीनाबाद, लाटूश रोड, रकाबगंज गंज, हुसैन गंज समेत कई इलाकों में तारों का मकड़जाल काफी ज्यादा हो गया है। स्थिति यह है कि आए दिन फॉल्ट होते रहता है। पुराने इलाकों में लो वोल्टेज की वजह से गर्मी में परेशानी रहती है।

पाटिल का बयान भारतीय नारी शक्ति का अपमान : प्रमोद तिवारी

संवाददाता

लखनऊ। प्रमोद तिवारी, सांसद, उप नेता, राज्य सभा एवं सदस्य, स्टीयरिंग कमेटी ने कहा है कि भाजपा विधायक बासनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा भारतीय राजनीति के क्षितिज पर त्याग और बलिदान की प्रतिमूर्ति, प्रधानमंत्री पद को वर्ष 1991 में और वर्ष 2004 एवं 2009 में ठुकराने वाली सोनिया गांधी को ''विषकन्या'' कह कर गाली देना, सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वर्तमान में पार्लियामेन्ट्री दल की चेयरमैन का ही अपमान नहीं है, बल्कि देश की सम्पूर्ण मातृ शक्ति

का अपमान व अक्षम्य अपराध है। श्री तिवारी ने कहा है कि कर्नाटक में जाती हुई सत्ता को देखते हुए मानसिक रूप से विक्षिप्त होकर भा.ज.पा ने यह बयान दिया है। ऐसा कृत्य केन्द्रीय नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुआ है, यदि केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देश पर यह बयान नहीं दिया गया है तो अब तक भाजपा में श्री पाटिल कैसे बने है, वे अब तक निकाले क्यों नहीं गये ? उन्हें न निकाले जाने से यह साबित होता है कि भाजपा ने यह बयान दिला कर भारतीय नारी शक्ति का अपमान किया है। कांग्रेस पार्टी निर्वाचन आयोग, न्याय पालिका, जनता के अदालत में इसे ले जायेगी। श्री तिवारी ने जनता से अपील करते हुये कहा है ऐसी बातों का जवाब जनता भारतीय जनता पार्टी को आगामी उत्तर प्रदेश के नगर निकाय चुनाव में तथा कर्नाटक के विधान सभा चुनाव में भा.ज.पा. के खिलाफ मतदान करके देगी।

96 घंटे से गैलेट ग्रुप के ठिकानों पर आईटी रेड

10 कर्मचारियों के लॉकर में 2 करोड़ के जेवरात मिले, घर में मिली नोट गिनने की मशीन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में गैलेट ग्रुप के ठिकानों पर पिछले 96 घंटे से ज्यादा समय से इनकम टैक्स की छापेमारी चल रही है। इनकम टैक्स की तरफसे मारे गए छापे में अभी तक 600 करोड़ रुपए से ज्यादा की कर चोरी सामने आने की बात हो रही है। इस दौरान अलग-अलग 10 लॉकर के ऐसे दस्तावेज मिले हैं जो ग्रुप में कार्यरत कर्मचारियों के नाम से है। इन लॉकर में करीब 2 करोड़ रुपए से ज्यादा के जेवरात मिले हैं। राजधानी लखनऊ और गोरखपुर में अभी भी जांच और पूछताछ जारी है। कंपनी के पास घर पर नोट गिनने के मशीन

पड़ी है। अमूमन यह मशीन दफ्तर या दुकान पर रखी जाती है। बुधवार को गैलेट ग्रुप के 60 ठिकानों पर छापा पड़ा था। उस दौरान सभी जगह पर पुलिस तैनात कर दी गई थी। जानकारों का कहना है कि अभी आगे भी छापा जारी रहेगा। शक है कि कंपनी मालिकों ने बड़ी प्रॉपर्टी अपने जानने वालों और रिश्तेदार के नाम पर छुपा रखी है। पिछले कुछ सालों में यह यूपी के अंदर पड़ने वाले बड़े छापों में एक माना जा रहा है। लखनऊ के अलावा यह छापेमारी गोरखपुर, लखनऊ के साथ गुजरात के सूरत, भरूच, दिल्ली, कोलकाता के कई ठिकानों पर चल रही है। इनकम टैक्स विभाग के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि ग्रुप मालिकों ने गोरखपुर में अपना घर बनाया है। जो काफी महंगा है।इसमें पांच स्टार होटल जैसी सुविधाएं और सजावट है। रिसॉर्ट की तर्ज पर बनाया गया है। बताया जा रह है कि तीन अलग-अलग बंगलों के साथ क्लब हाउस भी है। इसके अलावा घर के परिसर में ही एक बड़ा सा प्ले एरिया और स्विमिंग पूल भी है। कंपनी के पास घर पर नोट गिनने के मशीन पड़ी है। अमूमन यह मशीन दफ्तर या दुकान पर रखी जाती है। अब इसी मशीन से मौके पर मिली नगद राशि को गिना जा रहा है। बताया जा रहा है कि लखनऊ और गोरखपुर में कई ऐसे सबूत मिले हैं, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि चोरी अभी और बड़ी हो सकती है। आयकर विभाग के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर जमीन की खरीद में कालेधन का प्रयोग किया गया है। इसमें यूपी से लेकर दूसरे राज्यों में खरीदी गई प्रापर्टी है। लखनऊ में पड़े छापे के बाद ग्रुप मालिक के आवास पर लगातार पुलिस तैनात है। जिससे की कोई अंदर बाहर न जा सके।

जे.ई.ई. मेन्स में बालक व बालिका दोनों वर्गो में सी.एम.एस. छात्र बने सिटी टॉपर

- बालकों में जसकरन जबकि बालिकाओं में आर्यशी त्रिपाठी ने किया लखनऊ टॉप
- सी.एम.एस. के सर्वाधिक 245 छात्र जे.ई.ई. मेन्स परीक्षा में सफल

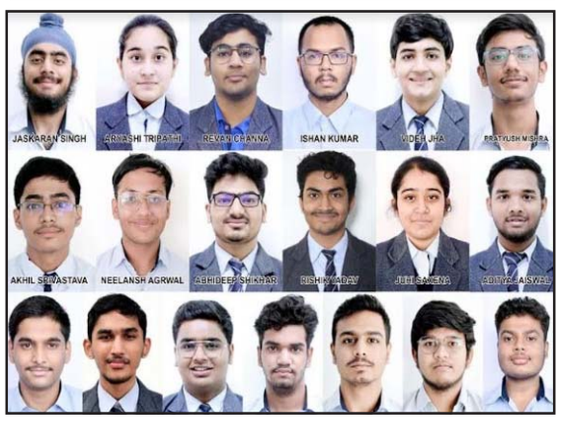

संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के मेधावी छात्रों ने एक बार फिर से 'जे.ई.ई. मेन्स' परीक्षा में अभूतपूर्व सफलता अर्जित कर लखनऊ का नाम रोशन किया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सी.एम.एस. छात्र जसकरन ने 99.95 परसेन्टाइल अर्जित कर लखनऊ में टॉप किया है जबकि बालिकाओं में सी.एम.एस. छात्रा आर्यशी त्रिपाठी ने 99.91 परसेन्टाइल के साथ सिटी टॉपर का खिताब अपने नाम किया है। इतना ही नहीं, सी.एम.एस. के 27 छात्रों ने 99 परसेन्टाइल से अधिक अंक अर्जित कर कीर्तिमान स्थापित किया है तो वहीं दूसरी ओर 125 छात्रों ने 90 परसेन्टाइल से अधिक अंक अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है। कुल मिलाकर, सी.एम.एस. से सर्वाधिक 245 मेधावी छात्रों ने 'जे.ई.ई. मेन्स' परीक्षा में सफलता अर्जित की है। सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने सभी सफल छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

लंबित व प्रस्तावित भर्तियों के लिए तत्काल चयन प्रक्रिया शुरू हो : संयुक्त युवा मोर्चा

संवाददाता

लखनऊ। नये शिक्षा सेवा आयोग के गठन के नाम ठप हो गई चयन प्रक्रिया पर युवाओं में गहरी नाराजगी है। चयन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए जरूरी बता मुख्यमंत्री द्वारा नये शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन का ऐलान किया गया था। इसी तरह अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में प्रारंभिक आर्हता परीक्षा(पीईटी) का हश्र देखा जा चुका है, पीईटी का आयोजन भी भर्तियों में तेजी लाने और पारदर्शिता के लिए जरूरी बताया गया था लेकिन परिणाम इन इन दावों के ठीक उलटे निकले। इसे लेकर संयुक्त युवा मोर्चा की ओर से राजेश सचान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आज पत्र प्रेषित कर मांग की है कि नये शिक्षा सेवा आयोग के गठन की प्रक्रिया या तो रद्द कर दी जाए या फिर इसके गठन होने तक इससे संबंधित आयोगों में लंबित व प्रस्तावित भर्तियों की चयन प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी रहे जोकि अरसे से ठप है जिससे युवाओं में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि नये शिक्षा आयोग के गठन से चयन प्रक्रिया में जटिलता पैदा होगी और भर्तियों में अनावश्यक देरी व न्यायिक विवादों में भी ईजाफा हो सकता है। दरअसल नये शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन का न तो औचित्य है और न ही सरकार ही इसके गठन को लेकर गंभीर है जिसका खामियाजा लाखों युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। कहा कि सरकारी आंकड़ों में अशासकीय-राजकीय माध्यमिक विद्यालयों 60 हजार शैक्षणिक व अशैक्षणिक पद, बेसिक शिक्षा में 1.26 लाख शिक्षकों के पद, अशासकीय-राजकीय महा विद्यालयों में बड़ें पैमाने पर पद रिक्त हैं। इसी तरह तकनीकी संस्थाओं में भी शिक्षकों के पद बड़ी संख्या में रिक्त हैं। इन्हें भरने का चुनावीं वादा भी किया गया था लेकिन आज इतने बड़े पैमाने पर रिक्त पदों को भरने से ही सरकार इंकार कर रही है और जानबूझकर चयन प्रक्रिया ठप कर दी गई है। स्थिति यह है कि केंद्र सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में सभी रिक्त पदों को तत्काल भरने के लिए राज्यों को निर्देशित किया गया है लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार बेसिक शिक्षा विभाग में रिक्त 1.26 लाख शिक्षकों के पदों को भरने से इंकार कर रही है। पत्र में अनुरोध किया गया है कि नये शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन में हो रही देरी के मद्देनजर या तो इसके गठन के प्रस्ताव को रद्द कर दिया जाए अथवा जो मौजूदा चयन संस्थाएं हैं उनके माध्यम से लंबित व प्रस्तावित भर्तियों को पूरा करने के लिए दिशानिर्देश जारी करने का कष्ट करें।

लखनऊ मेयर प्रत्याशी वंदना मिश्रा का ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट का समर्थन

संवाददाता, लखनऊ। सामाजिक कार्यकर्ता वंदना मिश्रा का लखनऊ के मेयर पद पर ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने समर्थन किया है। उनके समर्थन में जारी बयान में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस आर दारापुरी ने कहा कि वंदना मिश्रा का सामाजिक सरोकारों का जीवन रहा है। वह देश और प्रदेश में जनता के पक्ष में चले आंदोलनों में हिस्सेदार रही हैं। पीयूसीएल के अध्यक्ष के नाते उन्होंने मानवाधिकारों के सवालों पर भी पहल ली है। उनकी जीत लखनऊ का विकास करेगी। आइपीएफने अपनी सभी कमेटियों और सहयोगियों से मेयर चुनाव में वंदना मिश्रा का समर्थन करने की अपील की है।

निकाय चुनाव: बलिया में बागी संजय उपाध्याय के खिलाफ सपा का एक्शन

छह साल के लिए पार्टी से निर्लबित

संवाददाता, लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने बलिया नगर पालिका परिषद के चुनाव में अध्यक्ष पद के पार्टी के उम्मीदवार लक्ष्मण गुप्ता के विरुद्ध निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले पूर्व अध्यक्ष संजय उपाध्याय को छह साल और तीन अन्य नेताओं को एक-एक वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है।बलिया नगर पालिका परिषद के चुनाव में लक्ष्मण गुप्ता को अध्यक्ष पद के लिए अपना अधिकृत उम्मीदवार घोषित किया है। श्री गुप्ता के खिलाफ नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष संजय उपाध्याय बगावत कर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर संजय उपाध्याय को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।संजय उपाध्याय बलिया नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा बहुजन समाज पार्टी से 2012 के विधानसभा चुनाव में बलिया सदर सीट से प्रत्याशी भी रहे लेकिन 2017 में वह सपा में शामिल हो गये थे। नगर पालिका परिषद के चुनाव में दल विरोधी गतिविधियों को लेकर पार्टी के निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष जमाल आलम, निवर्तमान जिला सचिव आदर्श मिश्रा झब्बू और बलिया नगर के निवर्तमान विधानसभा अध्यक्ष अजय यादव को एक-एक वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया गया है।

सेव द फ्राग पर प्राणि उद्यान में हुयी प्रतियोगितायें, मेंढक हमारे पर्यावरण के रक्षक: अमिता कनौजिया

संवाददाता

लखनऊ। नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान में सेव द फ्राग एण्ड एम्फीबियन डे पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें राजधानी के विभिन्न विद्यालयों के दो सौ से अधिक बच्चों ने प्रतिभाग किया।

अप्रैल दो दिनों की प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पुरस्कार वितरण प्राणि उद्यान के ब्रांड एम्बेसडर और एडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा ने किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के बायोडायवर्सिटी विभाग व लखनऊ प्राणि उद्यान के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में सेव द फ्राग थीम पर कोलॉज प्रतियोगिता, लीप द रेस व पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सीएमस,डीपीएस एलपीएस, रिवर साइड एकाडमी, सेंट जोसेफ माण्टेसरी स्कूल, हार्नर एकाडमी, रामाधीन इण्टर कालेज, सेंट जॉन्स कालेज सहित कई अन्य विद्यालयों के दो सौ से अधिक बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर लखनऊ विश्व विद्यालय की प्राफेसर पद्मा, मधु आदि प्राणि उद्यान की विज्ञान अधिकारी सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। अपने सम्बोधन में प्रोफेसर अमिता कनौजिया ने बच्चों को मेढक व अन्य उभयचर जीवों के बारे में जानकारी देते हुये मेंढक को पर्यावरण का मुख्य रक्षक बताया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र एडीसीपी लखनऊ पश्चिम व प्राणि उद्यान के ब्रांड एम्बेसडर चिरंजीव नाथ सिन्हा ने प्रदान किये।

सड़क पर आई भाजपा सांसद रमापति राम त्रिपाठी और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की सियासत

लोकसभा सचिवालय ने मांगी मुख्य सचिव से रिपोर्ट

संवाददाता

लखनऊ। भाजपा सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की सियासत सड़क पर आ टिकी है। देवरिया लोकसभा क्षेत्र की सड़कों के एस्टीमेट में सांसद के तौर पर डॉ. रमापति के बजाय शाही का नाम लिख दिया गया है। रमापति ने संसद का अपमान बताते हुए मामला संसदीय विशेषाधिकार समिति के सामने उठा दिया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने को कहा है। डॉ. रमापति देवरिया से लोकसभा सदस्य हैं, सूर्य प्रताप शाही भी इसी लोकसभा क्षेत्र के विधानसभा क्षेत्र पथरदेवा से विधायक हैं। दोनों

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। हाल में प्रकाश में आया कि मामले में सांसद ने संसदीय विशेषाधिकार समिति के सामने अपनी पीड़ा रखी है। वित्त वर्ष 2022-23 में राज्य सड़क निधि के तहत उनके संसदीय क्षेत्र में नव निर्माण के एस्टीमेट शासन को भेजे गए। सड़कें विधानसभा क्षेत्र फाजिलनगर और लोकसभा क्षेत्र देवरिया के अंतर्गत आती हैं।एस्टीमेट में विधायक के कॉलम में सुरेंद्र कुमार कुशवाहा का नाम लिखा है, लेकिन सांसद के कॉलम में उनका नाम डॉ. त्रिपाठी न लिखकर सूर्य प्रताप शाही का नाम लिखा है। पत्र में डॉ. त्रिपाठी लिखते हैं,देवरिया लोकसभा क्षेत्र से मैं निर्वाचित हूं और इस मामले में सार्वजनिक रूप से संसद और मेरा अपमान किया गया है। डॉ. त्रिपाठी ने लिखा है कि जब उन्होंने पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता संजय कुमार श्रीवास्तव से फोन पर संपर्क करना चाहा तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। उन्होंने विशेषाधिकार समिति से मुख्य अभियंता संजय के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। लोकसभा सचिवालय ने मुख्य सचिव को पत्र भेजकर तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। इसे अति आवश्यक बताते हुए 15 दिन के भीतर लोकसभा अध्यक्ष के सामने प्रस्तुत करने की बात भी कही है।

यूपी में कोरोना से लगातार 4 मौतें

24 घंटे में 462 नए मरीज मिले

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में कोरोना बेहद घातक नजर आ रहा हैं। सुबह आई रिपोर्ट में 24 घंटे में 462 नए मरीज मिले हैं। सबसे चिंताजनक बात यह हैं कि शुक्रवार के बाद लगातार दूसरे दिन प्रदेश में 4 संक्रमितों के मौत की भी खबर हैं। फिलहाल प्रदेश में एक्टिव मरीजों की 2981 हैं। वही 716 मरीज रिकवर भी हुए। अभी भी सबसे ज्यादा संक्रमित लखनऊ और गौतमबुद्ध नगर में हैं। महोबा को छोड़कर राज्य के सभी 74 जिलों में कोरोना फैल चुका है। शनिवार सुबह आई रिपोर्ट में लखनऊ, मेरठ, आगरा और सुल्तानपुर में एक-एक संक्रमित के

मौत की खबर हैं। इससे पहले शुक्रवार की रिपोर्ट में अमेठी, संभल, बरेली और अम्बेडकर नगर में कोरोना संक्रमितों की मौत दर्ज थी। हालांकि विभागीय अफसरों से इन मृतकों के बारें में फिलहाल ज्यादा जानकारी नही मिली हैं। प्रदेश की बात करें तो अप्रैल में अब तक 14386 पॉजिटिव केस आ चुके हैं। डराने वाली बात यह है कि इस दौरान 35 मौतें भी हो चुकी है। राजधानी लखनऊ में अप्रैल में अब तक कुल 2712 केस और 4 मौतें हो चुकी हैं। हालांकि डॉक्टरों की मानें, तो इनमें से ज्यादातर मौत पहले से गंभीर बीमारी की चपेट में रहे लोगों की हुई है। 24 घंटे में लखनऊ में 59 पॉजिटिव केस (एक्टिव केस-531) हैं। वही गौतमबुद्ध नगर यानी नोएडा में 80 पॉजिटिव मरीज (एक्टिव केस- 464) और गाजियाबाद में 50 (एक्टिव केस 262) मिले हैं। इसके अलावा मेरठ में 7 पॉजिटिव केस (एक्टिव केस-106), गोरखपुर में 21 (एक्टिव केस- 113), वाराणसी में 10 पॉजिटिव केस (एक्टिव केस - 105) मिले हैं। कानपुर नगर में 5 पॉजिटिव केस (एक्टिव केस-53), प्रयागराज में 9 (एक्टिव केस- 60) और लखीमपुर खीरी में 9 पॉजिटिव केस (एक्टिव केस-65), आगरा में 6 पॉजिटिव केस (एक्टिव केस- 42) सामने आए हैं। शुक्रवार को 24 घंटे में कुल 47 हजार 765 सैंपल की जांच हुई हैं। लखनऊ में 1281 सैंपल की जांच की गई। वहीं आगरा में 925, गौतमबुद्ध नगर में 422, गाजियाबाद में 2572, मेरठ में 362, प्रयागराज में 853, रायबरेली में 294, सहारनपुर में 720 सैंपल की जांच की गई।

ट्रैक्टर से गिरकर ट्राली से कुचल कर दो बच्चों हुई मौत

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

भरथना,इटावा। भरथना कोतवाली ग्रामीण क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम भिघसिया साम्हो सम्पर्क मार्ग पर बीती रात्रि करीब 8 बजे दौड़ते एक ट्रैक्टर से गिरकर ट्रैक्टर ट्राली के पहिये से कुचल कर एक अबोध बच्चा व एक बालिका की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। रात्रि में घटित हुई दर्दनाक हादसे में एक साथ दो बच्चों की मौत की खबर मिलते ही ग्राम भिघसिया सहित भरथना कस्बा के मोहल्ला छोला मन्दिर के निकट निवासी परिजनों में बुरी तरह कोहराम मच गया। दर्दनाक हादसा

की सूचना मिलते ही आनन फानन में मौके पर पहुँच कर पुलिस ने हादसा में सामिल ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर मृतक बच्चे व बालिका के शव को पोस्टमार्टम हेतु रात्रि में ही मुख्यालय भिजबाया दिया। हादसा की जानकारी के अनुसार ग्राम भिघसिया निवासी अजय कुमार बीती शनिवार की रात्रि करीब 8 बजे अपने भाई के ट्रैक्टर में लगी ट्राली में गेंहू भरकर गांव से भरथना के मोहल्ला छोला मन्दिर मार्ग पर लेकर आ रहा था, ट्रैक्टर पर गांव निवासी श्याम सिंह पुत्र वदन सिंह की 15 बर्षीय पुत्री कु0खुशी को भी अपने हाल निवास छोला मन्दिर आना था जिसके कारण खुशी गांव से ही उक्त ट्रैक्टर के बोनट पर बैठ गई साथ ट्रैक्टर चालक ने अपने अबोध 3 बर्षीय बच्चे वंशू को भी अपने साथ ले लिया। जिसपर खुशी वंशू को गोद मे लेकर ट्रैक्टर के बोनट पर बैठ गई। ग्रामीणों की मानें तो ट्रैक्टर जैसे ही ग्राम भिघसिया-साम्हो मार्ग पर दौड़ा इसी बीच ट्रैक्टर के बोनट पर बैठी खुशी मय अबैध बच्चे वंशू के छिटक कर नीचे जा गिरी जिसके ऊपर से ट्रैक्टर ट्राली का पहिया गुजर गया और खुशी की ट्राली के पहिये से कुचल कर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई,जबकि गोद छिटका अबोध 3 बर्षीय वंशू के सिर में गम्भीर चोट लगने से मौत हो गई।दर्दनाक हादसा घटित होने की खबर मिलते ही मृतक परिजनों में बुरी तरह कोहराम मच गया। हादसे की सूचना पर पहुँची पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर शवों को पोस्टमार्टम को मुख्यालय भेजा है।

पानी के बिना जीवन संभव नहीं है : भोला सिंह

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

सुलतानपुर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में देवरार भटमई पावर हाउस जानकी आवास पर पानी के महत्व विषय पर परिषद के जिला अध्यक्ष आशुकवि मथुरा प्रसाद सिंह जटायु के निर्देश पर कवि गोष्ठी सकुशल संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक रमेश चंद्र शर्मा नंदवंशी और मुख्य अतिथि के रुप में अवधेन्द्र कुमार सिंह भोला प्रबंधक हौसिला प्रसाद सिंह स्मारक महिला पी जी कालेज शरीफ पुर, गोविंदपुर, गोसाईगंज सुलतानपुर मंचासीन रहे। सर्वेश कांत वर्मा सरल ने संचालन किया संयोजन गौरव वर्मा का रहा। कार्यक्रम की शुरुआत राजबहादुर राना की वाणी वंदना -शब्द अर्थ भाव ज्ञान -से हुई। बृजेश कुमार वर्मा ने-उठे जो राह में गिरकर संभलना सीख जाते हैं -तो वहीं सर्वेश कान्त वर्मा सरल ने -चांद मंगल पर भी तेरे आशियाने होते -मार्मिक कविता पढ़ी। कटका क्लब के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने जमीन पर बहते हुए लहू का हिसाब चाहता हूं-कविता पढ़ कर भाव विभोर किया। मुख्य अतिथि भोला सिंह ने अपने उद्बोधन में पानी का जीवन में महत्व बताते हुए जल पर उपयोगी विचार प्रस्तुत किया ।

शेम्फोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल में इंटर हाउस डांस कम्पटीशन का आयोजन

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

सुलतानपुर। जनपद के शेम्फोर्ड फ्यूचरिस्टिक स्कूल में शनिवार को छात्र-छात्राओं द्वारा इंटर हाउस डांस कम्पटीशन का आयोजन हुआ जिसमें कक्षा तीन से कक्षा नवीं तक के छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय के चारों हाउसों के बच्चों ने एक से बढ़कर एक सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किए। कम्पटीशन दो चरणों में था। प्रथम चरण ग्रुप डांस का तथा द्वितीय चरण सोलो डांस का था। ग्रुप डांस में ब्लू हाउस के बच्चों का बोलबाला रहा जिनको प्रथम स्थान प्राप्त हुआ जबकि सोलो डांस में ग्रीन हाउस की खुशी पांडे का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ था जिसके कारण उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त रेड हाउस की आकांक्षा यादव, गोल्ड हाउस की शिवांगी तथा ब्लू हाउस के स्नेहा तिवारी व वंशिका सिंह की प्रस्तुति तारीफ ए काबिल थी। कार्यक्रम का संचालन आर्या मौर्या और सिमरा मोइन ने बहुत ही सुन्दर तरीके से किया जबकि प्रतियोगिता के लिए निर्णायक की भूमिका दीक्षा श्रीवास्तव ,नीलिमा त्रिपाठी और जसप्रीत कौर ने निभाई। विद्यालय के प्रबंधक रंजीत सिंह ने बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनकी भूरि भूरि प्रशंसा की तथा विद्यालय के विभिन्न शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा कर्मचारियों को उनके मेहनत और लगन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया । इस कार्यक्रम में विद्यालय की कोऑर्डिनेटर दीक्षा श्रीवास्तव, कल्चरल इंचार्ज रजनीश कौर , डांस शिक्षिका संध्या श्रीवास्तव तथा आर्ट शिक्षिका शिखा यादव का प्रमुख योगदान रहा ।विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार तिवारी ने शिक्षकों, छात्रों तथा कार्यक्रम में सहयोगी सभी विद्यालय परिवार के सदस्यों की प्रशंसा की और बच्चों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। इस अवसर पर सभी बच्चों को मेडल, ट्रॉफी, सर्टिफिक्रेट और चॉकलेट वितरित किया गया।

घर जाने की बात कहकर गए युवक का संदिग्ध हालत में मिला शव

ईंट से सिर कूचकर हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

हरदोई । संडीला में एक युवक की ईंट से कूचकर हत्या का मामला सामने आया है। जिसके पास में ही एक खून से सनी ईंट मिली है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले के जांच में जुटी है। मौके पर पहुंचे एसपी ने घटनास्थल का जायजा लिया है।बताया गया कि संडीला कस्बे के मोहल्ला बरौनी निवासी बलऊ कश्यप खाना खाने के बाद दूसरे मकान पर जाने की बात कहकर घर से निकला। लेकिन वह मंगल बाजार स्थित मकान पर नहीं पहुंचा। रात बीतने के बाद जब वह सुबह खाना खाने घर नहीं आया। इस पर परिजनों को अनहोनी का शक हुआ तो उन्होंने खोजबीन शुरू की। जिसके बाद घरवालों को पता चला बलऊ का शव वही के एक मैरिज लॉन के बगल में पड़ा है। जिसके सिर पर ईंट से वार के निशान दिखे और खून से सनी ईंट पास में पड़ी मिली। सूचना मिलते ही संडीला पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तफ्तीश में जुट गई। कुछ समय बाद जानकारी मिलने पर एसपी राजेश द्विवेदी मौके पर पहुंच गए। जहां उन्होंने मोहल्लेवासियों से मामले में पूछताछ की है। जिसके बारे में आसपास के लोगों ने बताया कि बलऊ शादीशुदा था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटी और तीन बेटे है। परिवार के लोगों ने किसी से भी कोई रंजिश न होना बताया है। फिलहाल पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले के जांच में जुटी है।एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि संडीला कस्बे के बरौनी में एक शव पड़ा मिला है। जिसके सिर को कूचकर हत्या होना प्रतीत हो रहा है। पास में खून से सनी एक ईंट मिली है। पुलिस विभिन्न पहलुओं के जरिए मामले के जांच में जुटी है। मामले में जो भी तथ्य आएंगे उसी के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एक-एक सचल चिकित्सा दल तैनात करायें : जिला मजिस्टेऊट

संवाददाता, हरदोई । जिला मजिस्टेऊटध्जिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा है कि जनपद में 04 मई 2023 को मतदान के दिन मतदान केन्द्रों पर काफी संख्या में मतदाता कतार में लगेगें, इसलिए गर्मी के मौसम के दृष्टिगत मतदाता एवं पोलिंग पार्टी सदस्यों को आकस्मिक स्वास्थ्य व त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एक-एक सचल चिकित्सा दल डाक्टर व जरूरी औषधियों सहित तैनात कराना सुनिश्चित करें।उन्होने निर्देश दिये है कि नगरीय निकायों में तैनात सचल चिकित्सा दलों की सूची मोबाइल नम्बर सहित सभी आर0ओ0 एवं पीठासीन अधिकारियों को उपलब्ध करायें तथा सचल दलों को निर्देशित करने वह संबंधित एसडीएम, आरओ, जोनल व सेक्टर मजिस्टेऊट के सम्पर्क में रहेगें और जरूरत पड़ने पर त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायें।

राष्ट्रीय पटल पर बांसा गांव एक बार फिर चर्चा में

संवाददाता, हरदोई । राष्ट्रीय पटल पर बांसा गांव एक बार फिर चर्चा में है। जतिन ललित को प्रसार भारती द्वारा सम्मानित करने पर पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। मन की बात के 100वें एपिसोड के उपलक्ष्य में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कॉन्क्लेव का आयोजन दिल्ली में किया गया, जिसमें हरदोई से आदर्श ग्राम पंचायत बांसा के प्रधान सम्पूर्णानन्द सिंह व बांसा कम्युनिटी लाइब्रेरी के संस्थापक जतिन ललित को आमंत्रित किया गया था। उन लोगों 5 दिनों तक दिल्ली में हुए कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कॉन्क्लेव में उपराष्ट्रपति मुख्य अथिति थे। उन्होंने अपने अभिभाषण में ग्राम पंचायत बांसा में हो रहे नवाचारों की सराहना की। इस कार्यक्रम में माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, श्री अशिवनी वैष्णव, प्रसार भारती के सीईओ आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।कॉन्क्लेव में बॉलीवुड की प्रसिद्ध हस्तियां ने भी भाग लिया, आमिर खान, रवीना टंडन, किरण बेदी आदि लोगों ने बांसा लाइब्रेरी की सराहना की। 30 अप्रैल को राजभवन लखनऊ में राज्यपाल महोदया ने जतिन ललित को सम्मानित किया व उन्हें मंच पर बुलाकर उनके काम के बारे में पूछा। जतिन ललित सिंह का कहना है कि इस मंच पर बुलाये जाने पर वह काफी खुश हैं। इससे उन्हें कुछ और बेहतर करने की प्रेरणा मिली है।

आमने-सामने भिड़ीं बाइक, पति की मौत, पत्नी हुई जख्मी

संवाददाता, हरदोई। शाहाबाद-पाली रोड पर दरियापुर मोड़ पर दो बाइक आमने-सामने भिड़ गई। इस हादसे में बाइक चला रहे पति की मौत हो गई, जबकि उस पर सवार उसकी पत्नी और दूसरी बाइक पर सवार दो युवक बुरी तरह जख्मी हो गए। पुलिस शनिवार की रात शाहाबाद-पाली रोड पर दरियापुर मोड़ पर हुए हादसे की जांच कर रही है। बताया गया है कि पाली थाने के गोपालपुर निवासी 25 वर्षीय राजू 25 पुत्र ब्रजपाल शनिवार की शाम को पत्नी राधा की दवा लेने बाइक से पाली गया हुआ था। वहां से दवा लेकर दोनों घर वापस जा रहे थे। उसी बीच पाली कस्बे के मोहल्ला बाजार निवासी विमलेश तिवारी अपने साथी मझिले के साथ बाइक से परेली की तरफ से आ रहा था। तभी पाली-शाहाबाद रोड पर दरियापुर मोड़ के पास दोनों की बाइक आमने-सामने भिड़ गई। जिससे एक बाइक पर सवार राजू और उसकी पत्नी राधा और दूसरी बाइक पर सवार विमलेश व मझिले चारों लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। इसका पता होते ही वहां पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में हादसे में जख्मी हुए लोगों को सीएचसी पहुंचाया, जहां पहुंचते ही राजू की मौत हो गई। वहीं राजू की पत्नी राधा और दूसरी बाइक सवार विमलेश को मेडिकल कालेज रिफर किया गया, जहां से विमलेश को लखनऊ भेजा गया है।

गोमती मित्रों ने करके श्रमदान,किया आवाहन हो शत प्रतिशत मतदान

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

सुलतानपुर। गोमती मित्र मंडल परिवार स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ अपने आप को सामाजिक सरोकारों से भी हर वक्त जोड़े रहता है और समाज से जुड़े,राष्ट्र से जुड़े जो भी मुद्दे होते हैं उसके लिए गंभीर प्रयास करता रहता है,रविवार 30 अप्रैल को होने वाला साप्ताहिक श्रमदान प्रदेश अध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह मदन की अनुपस्थिति में वरिष्ठ पदाधिकारी सेनजीत कसौंधन दाऊजी के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें श्रमदान के तत्काल बाद दाऊजी ने उपस्थित गोमती मित्रों से यह संकल्प लेने को कहा कि आगामी नगर पालिका परिषद चुनाव में गोमती मित्र खुद तो मतदान में हिस्सा लेंगे ही अपने मिलने जुलने वालों से भी अपने मताधिकार का निश्चित प्रयोग करने के लिए कहेंगे, श्रमदान प्रात: 6रू00 बजे शुरू हुआ और पूरे परिसर की साफ-सफाई के बाद 9रू00 बजे जलपान के साथ समाप्त हुआ, श्रमदान में मुख्य रूप से उपस्थित रहे मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी,डॉ दिनकर सिंह,सेनजीत कसौंधन दाऊ,सुनील कसौंधन,मुन्ना सोनी,राकेश मिश्रा,अरविंद सोनी,विशंभर सोनी,राजेश पाठक,आनन्द मिश्रा, युवा मंडल अध्यक्ष अजय वर्मा,अभय, आयुष, पियूष आदि।

जल्द मिलेगा पानी की किल्लत से छुटकारा टंकी बनने का काम शुरू

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

खीरों, रायबरेली। खीरों ब्लॉक क्षेत्र के सेवनपुर में पानी की किल्लत के चलते दीलिप गुप्ता के द्वारा लंबे अरसे से पानी की टंकी की मांग की जा रही थी। वही सेवनपुर में पानी की टंकी बनने का काम शुरू हो गया है। आज दिलीप गुप्ता व भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवराम सिंह द्वारा काफी प्रयासों के बाद आज सेवनपुर में पानी की टंकी का काम शुरू हो गया है। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह व पूर्व विधायक राम भक्त राकेश सिंह द्वारा जिस जगह को दिलीप गुप्ता ने पानी की टंकी को लेकर चिन्हित किया था वही जगह को पानी की टंकी बनने का काम शुरू हो गया है। वही सेवनपुर वासियों यह खुशखबरी वरदान साबित होगी, क्योंकि बहुत जल्द सेवनपुर में हो रही पानी की किल्लत से गांव वासियों को अब जल्द छुटकारा मिलेगा। पानी की टंकी का काम शुरू होने के बाद ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गयी, तो वहीं ग्रामीणों को अब पूर्ण भरोसा हो चुका है अब जल्द ही सेवनपुर में पानी की टंकी बनेगी। और घर-घर पानी पहुंचेगा। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवराम सिंह, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष शिवराज वर्मा, भाजपा मंडल कोषाध्यक्ष दिलीप गुप्ता, भाजपा मंडल मंत्री राजन सिंह, भाजपा मंडल सोशल मीडिया संयोजक सलमान चिश्ती आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को किया क्षतिग्रस्त करने का ग्रामीणों ने लगाया आरोप ,प्रदर्शन कर जतायी नाराजगी

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बहराइच। जिले के नौवनपुरवा गांव में स्थापित अंबेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। इसकी जानकारी होते ही काफी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। सभी ने ग्राम प्रधान समेत अन्य पर प्रतिमा में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। खैरीघाट थाना क्षेत्र के ग्राम नौवन पुरवा के मजरा अरनवा में अंबेडकर पार्क स्थित है। पार्क में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित है। डॉक्टर भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर लगे चस्मा को अराजक तत्वों ने तोड़ दिया। इसकी जानकारी होने पर रविवार दोपहर को काफी संख्या में गांव के लोग पहुंच गए। सभी ने प्रतिमा खंडित किए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। प्रतिमा से चश्मा तोड़े जाने की शिकायत थाने में दी गई। प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र बहादुर सिंह ने पुलिसकर्मियों को मौके पर भेजा। पुलिस ने मौके की जांच की। गांव निवासी जगजीवन, राम अवतार, मोहन, सत्रोहन, संजय, महेश अंबेडकर, राम आधार समेत अन्य ने संयुक्त रूप से तहरीर दी। जिसमें ग्राम प्रधान कृष्ण गोपाल, राम सरन, नीरज पर प्रतिमा खंडित करने का आरोप लगाया है। सभी ने प्रतिमा सही कराने और आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि जांच के बाद मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। गांव में पुलिस बल को मुस्तैद कर दिया गया है।

किशोरी की हत्या कर शव तालाब में फेंका

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बहराइच। जनपद के रायपुर ग्राम पंचायत के मुन्ना पुरवा गांव निवासी एक किशोरी 26 अप्रैल को रहस्यमय हालत में गायब हो गई थी। किशोरी का शव रविवार को तालाब में क्षत विक्षत हालत में पड़ा मिला है, शरीर पर चोटों के निशान भी है। मृतक के परिवार ने दो लोगों पर हत्या कर शव फेंके जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। खैरीघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रायपुर के मजरा मुन्नापुरवा निवासी 17 वर्षीय रिंकी 26 अप्रैल को खाना खाने के बाद घर से गायब हो गई थी। काफी खोजबीन के बाद भी रिंकी का पता नहीं चला। जिस पर पिता मंगतू प्रसाद ने गांव निवासी कमलेश और जगदीश को नामजद करते हुए थाने में तहरीर दी थी। साथी बेटी के अपहरण का आरोप दोनों पर लगाया। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। परिवार के लोग रिंकी की खोज में लग गए। वहीं रविवार को नकाही तालाब में रिंकी का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। इस पर हड़कंप मच गया, गांव के लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र बहादुर सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम के साथ पुलिस ने मौके की जांच की। इसके बाद शव को तालाब से बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सभी पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। वहीं घटना की सूचना एएसपी ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी भी मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। साथ ही जल्द से जल्द हत्यारोपियों की गिरफ्तारी व खुलासे का निर्देश दिया। पिता की ओर से दी गयी तहरीर के आधार पर पुलिस ने दो लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। वहीं गांव में दुष्कर्म के बाद हत्या करने की चर्चाओं का बाजार भी गर्म रहा।

भाई ने देखा तालाब में शव

रायपुर मुन्नापुरवा गांव निवासी मंगतू प्रसाद ने थाने में तहरीर देकर कहा है कि रविवार को उसका बेटा दुर्गेश कुमार तालाब के निकट खरपतवार काटने जा रहा था। तभी उसने तालाब में बहन का शव देखा, इस पर रोते हुए परिवार के लोगों को घटना की जानकारी दी।

चुन-चुनकर प्रदेश से अपराधियों का होगा खात्मा

बोले डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, कहा- पहले की सरकारों में होती थी लापरवाही

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक रविवार को शहर के नगर पालिका मैदान में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि चुन-चुन कर अपराधियों को सजा दिलवाई जाएगी। पहले की सरकारों में अभियोजन की तरफ से लापरवाही की जाती थी, लेकिन बीजेपी सरकार में अपराधियों का खात्मा किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले सिर्फ इटावा और सैफई में 24 घंटे बिजली मिलती थी। अब पूरे प्रदेश में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक रविवार को जन सभा के लिए श्रावस्ती पहुंचे। श्रावस्ती में उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इसके बाद वह हेलीकाप्टर पुलिस लाइन पहुंचे इसके बाद वहा से बहराइच के नगर पालिका सभागार में जन सभा को संबोधित करने पहुंचे। दोपहर एक बजे उप मुख्यमंत्री का जिले के सांसद व विधायकों और अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इसके बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस शासनकाल में जमकर भ्रष्टाचार हुआ था, जिससे देश के छवि पूरे विश्व में खराब हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मंत्री भ्रष्टाचार में जेल भेजे गए। समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे रिश्तेदार पहले जब आते थे तो गांव और शहर में बिजली आपूर्ति के लिए रोस्टर की जानकारी लेते थे। सपा शासनकाल में सिर्फ इटावा और सैफई में 24 घंटे बिजली दी जाती थी। जबकि अब पूरे प्रदेश की जनता को 24 घंटे बिजली सप्लाई दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश की करोड़ों जनता को सरकार फ्री में राशन दे रही है। जबकि हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में आटा के लिए हाहाकार मचा हुआ है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश में जब से सरकार आई है, तब से विकास की गति काफी बढ़ा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में कोई गुंडा माफिया नहीं है, सबकी कमर योगी सरकार ने तोड़ दी है। बृजेश पाठक ने कहा कि बहराइच नगर क्षेत्र में जलभराव, सड़क, सफाई और सीवरेज की समस्या से निजात पाने के लिए भाजपा प्रत्याशी सुधा टेकडीवाल को जीत दिलाएं। जिससे विकास कार्य में केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा। इससे पूर्व जनसभा को जिले के प्रभारी मंत्री संजय निषाद, सदर विधायक अनुपमा जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम करण टेकडीवाल, एमएलसी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी, सांसद अछयवर लाल गौड़, महामंडलेश्वर रविगिरी जी महाराज ने भी संबोधित

किया। इस दौरान पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी, महसी विधायक सुरेश्वर सिंह, नानपारा रामनिवास वर्मा बलहा विधायक सरोज सोनकर, जिला प्रभारी नीरज सिंह, चुनाव प्रभारी तरुण त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, ब्लाक प्रमुख पति संजय जायसवाल समेत अन्य शामिल रहे। प्रदेश में कोई माफिया गिरोह नहीं है सभी के नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा पहले बहन-बेटियां घर से बाहर निकलने से पहले डरती थी। बेटियों को गुंडे छेड़ते थे। आज एंटी रोमियों का गठन कर 25000 मुकदमें दर्ज कर गुंडो को सबको सबक सिखाया गया। आज अपराधी गले में पट्टी डालकर पहुंचते हैं और कहते हैं कि हम गुंडागर्दी नहीं करेंगे, हमें गिरफ्तार कर लो। आज मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि प्रदेश में कोई माफिया गिरोह नहीं है। सभी के नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया गया है।माफियाओं के खिलाफन्यायालय में पैरवी कर उन्हें लगातार सजा दिलाई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून का राज स्थापित हुआ है। इसीलिए मै आपके बीच आया हूं। बहराइच नगर पालिका को मॉडल के रुप में विकसित करने व केन्द्र और प्रदेश की सभी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए भाजपा प्रत्याशी का जीतना जरुरी है।

प्रदेश में लाइन ऑर्डर और मजबूत करेंगे

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा की प्रदेश में लाइन ऑर्डर और मजबूत करेंगे।और हर हालत में एक-एक अपराधी को अदालत के माध्यम से कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे।

निर्विरोध निर्वाचित सभासद को किया सम्मानित

शहर के नगर पालिका मैदान में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड से निर्विरोध निर्वाचित हुए आशीष सिंह को सम्मानित किया। मालूम हो कि आशीष सिंह सभासद पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए, उनके सामने कोई दूसरा प्रतिनिधि खड़ा नहीं हुआ था।

बारिश ने खड़ी की बीजेपी प्रत्याशी के लिए मुसीबतें

❑ बारिश से हुये जलभराव ने खोल दी पूर्व अध्यक्ष के विकास की पोल

❑ पूर्व पालिका अध्यक्ष के खराब कार्यकाल की वजह से ही बीजेपी ने उन्हें प्रचार से कर रखा है दूर

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

रायबरेली। रविवार को हुई तेज बारिश ने नगर पालिका चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी के लिए मुसीबतें खड़ी कर दी हैं, बारिश के बाद सड़को पर जल भराव ने पूर्व अध्यक्ष के विकास की पोल खोल दी। शहर के एसजेएस स्कूल के सामने, अस्पताल चौराहे पर रिफार्म क्लब के सामने, चंदापुर कोठी मन्दिर के सामने सड़को पर पानी भरा रहा। इसी तरह बारिश के बाद नगर पालिका क्षेत्र से जुड़े गावों में भी हालत बदतर हो गयी, नजरवा ताल में सड़क पर पानी भर जाने आमजन के लिए सड़क पर चलना मुश्किल हो गया। भारतीय जनता पार्टी की सदर विधायक आदिती सिंह ने पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव को पिछला चुनाव जितवाया था। भले ही कांग्रेस से चुनाव जीतीं थी लेकिन बाद में विकास करने की कसम खाते हुए बीजेपी की डबल इंजन सरकार में नगर पालिका का भी इंजन जोड़ दिया था। नगर का विकास ऐसा हुआ है कि थोड़ी बारिश में सड़क पर चलना और घरों में रहना दूभर हो जाता है। इधर भाजपा चुनाव में विकास के दावे कर माहौल बनाने की कोशिश में जुटी है तो उधर बारिश ने पिछले कार्यकाल की पोल खोल दी। हालत यह है कि बारिश से आम क्षेत्र ही नहीं बल्कि जिले से सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के घर के बाहर भी जल भराव हो गया। खैर पिछले कार्यकाल में विकास के नाम पर क्या हुआ है यह बात नगर की जनता ही नहीं बल्कि उनकी पार्टी के लोग भी जानते है इसीलिए उन्हें वर्तमान चुनाव में निवर्तमान अध्यक्ष को प्रचार से दूर रखा गया है। पिछले पाँच सालों में नगर का जो हाल हुआ है उससे जनता में बहुत नाराजगी है। इसीलिए पार्टी चुनाव प्रचार में उनके चेहरे से परहेज कर रही है। ताकि लोगों को पिछला कार्यकाल याद ना आए, पार्टी और वर्तमान प्रत्याशी भले ही पूर्व चेयरमैन के कार्यकाल को भुलवाने के लिए उनसे दूरी बनाए हुए है लेकिन जिससे प्रकृति पर्दा उठाना चाहती है उसे कोई छुपा नहीं सकता है। सबको पता है कि पिछले पाँच सालों में नगर पालिका का सुपर अध्यक्ष कौन था और वर्तमान बीजेपी प्रत्याशी के अत्यंत करीब भी वही सुपर अध्यक्ष हैं , चर्चा यह भी कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी करते हुए प्रत्याशी को टिकट भी उसी सुपर अध्यक्ष ने दिलवाया है। ऐसे में भले ही निवर्तमान चेयरमैन को प्रचार से दूर रख कर विकास के नाम पर नया विश्वास जीतने का बीजेपी चाहे जितना प्रयास करे, बारिश ने सारे प्रयासों पर पानी फेर दिया है।

नगर के विकास को मुंह चिढ़ाता मंत्री के घर के बाहर का जलभराव

सुपर मार्केट स्थित चंदापुर कोठी के सामने जलभराव

नजरवा ताल में जलभराव

आईटीआई के पास पैदल चलना दूभर

न्यायालय के आदेश पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता, जौनपुर । पवांरा थानाक्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव निवासी महिला ने न्यायालय में प्रार्थना-पत्र दिया कि मेरे गांव के सुरेशचन्द्र तिवारी व उनके परिवार के लोग रंजिश रखते हैं । 17 मार्च की रात्रि करीब आठ बजे गांव के ही सुरेशचन्द्र तिवारी मेरे घर में घुस आये और उस समय मैं घर में खाना बना रही थी । मेरे साथ छेड़खानी करने लगे और मेरे कपड़े फाड़ दिये । मैंने शोर मचाया तो मेरे परिवार के लोग व मेरे पति आ गये और सुरेश तिवारी को कमरे में बन्द करके 112 व 1076 पर व थानाध्यक्ष पवांरा को मोबाइल के माध्यम से सूचना दिये । पुलिस आयी और सुरेशचन्द्र तिवारी व मेरे पति को थाने ले गयी । दूसरे दिन सुरेशचन्द्र तिवारी के भाई नन्हेलाल उर्फ नन्हकू तिवारी व उनका भतीजा अनिल तिवारी मेरे घर पर आकर मेरे परिवार वालों को मां -बहन की भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दिये । मैंने पवांरा थाने पर प्रार्थना-पत्र दी लेकिन थाने वाले मुझे डांटकर भगा दिये और मेरा मेडिकल भी नहीं कराये । पुलिस न्यायालय के आदेश पर उपरोक्तगण के खिलाफसंबंधित धाराओं में मुकदमा दर्जकर आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुट गयी है ।

टक्कर से घायल की इलाज दौरान हुई मौत

संवाददाता, भरथना,इटावा। भरथना कोतवाली ग्रामीण क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पिलुआ सरावा के सतीश कुमार को विगत दिवस 23 अप्रैल को शाम साढ़े 6 बजे ग्राम बेलाहर से अपने गांव जाते समय गांव के निकट नामजद नम्बर बाली एक कार ने जोरदार टक्कर मार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया था। वहीं दुर्घटना को अंजाम देकर चालक मौके से कार को भगा लेजाने में सफल हो गया। राहगीर व ग्रामीणों ने गम्भीर घायल सतीश कुमार को आनन फानन इलाज हेतु चिकित्सालय लेजाकर भर्ती कराया जहाँ इलाज के दौरान सतीश की दर्दनाक मौत हो गई।मृतक के भाई जितेंद्र कुमार ने नामजद नम्बर कार व दुर्घटना को अंजाम देने बाले चालक के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया है।

घटना को अंजाम से पूर्व किया गिरफ्तार

संवाददाता, भरथना,इटावा। भरथना कोतवाली ने घटना को अंजाम देने की फिराक में खड़े एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने का दावा किया है। कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक नितिन कुमार ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सादिकपुर बैसौली के बाहर बनी एक पुलिया पर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में सन्दिग्ध खड़े सुबोध कुमार निवासी ग्राम सादिकपुर बैसौली को शनिवार की रात्रि करीब साढ़े 7 बजे गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दावा करते हुऐ बताया कि जामा तलासी कब दौरान सुबोध कुमार के कब्जे से एक देशी तमंचा 6 कारतूस बरामद किये हैं। पुलिस ने अभियुक्त के विरोध कार्यवाही कर जेल भेजा है।

एस पी ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी को दी गयी भावभीनी विदाई

संवाददाता, सुल्तानपुर। जनपद से 01 पुलिसकर्मी मुख्य आरक्षी चालक सुरेंद्र नारायण यादव सेवानिवृत्त हुए । श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा अधिवर्षता आयु पूरी करने के उपरान्त सेवानिवृत्ति होने वाले पुलिसकर्मी को ससम्मान के साथ फूल माला पहनाकर तथा शॉल, प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर भावपूर्ण विदाई दी गयी। महोदय द्वारा सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी को सम्बोधित करते हुए उनके उज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य तथा दीर्घायु की कामना की। समारोह में उपस्थित अन्य अधिकारीगणों द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मी को पुलिस विभाग में अपने सेवाकाल के दौरान किए गये कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक महोदय व अन्य अधिकारीध्कर्म0गण मौजूद रहे।

लाल डिग्गी वार्ड नं0 05 से प्रत्याशी युवा समाजसेवी भैया दीप सिंह (एडवोकेट) ने किया जनसम्पर्क

संवाददाता, सुल्तानपुर। नगर के लालडिग्गी वार्ड नम्बर -05 से प्रत्याशी युवा समाजसेवी भैया दीप सिंह एडवोकेट ने मोहल्ला सिरवारा मार्ग हरिजन बस्ती, वन विभाग के घर घर जनता से जनसंपर्क किया। जहां पर लोगों ने उन्हें हाथों-हाथ लिया और विजय होने का आशीर्वाद दिया। इन दिनों वार्ड 05 से कई प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, परंतु क्षेत्र की जनता युवा समाजसेवी भैया दीप सिंह (एडवोकेट) को ही सभासद के रूप में देख रही है। इस एक कारण यह भी है युवा समाजसेवी भैया जी सिंह हमेशा से हर किसी के सुख दुख में खड़े रहते हैं।वहीं समर्थकों में प्रत्याशी को जिताने का जोश दिखाई पढ़ रहा है तथा जिस गली में वह जा रहे हैं, उन्हें लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

निखत कम्प्यूटर संस्थान द्वारा किया गया मेधावियों का सम्मान

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

रायबरेली। निखत कम्प्यूटर संस्थान के द्वारा आनर सेरेमनी 2023 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि डायरेक्टर सिमहैंस हॉस्पिटल डा0 मनीष सिंह, बी0डी0 सिंह जी पूर्व एचओडी फिरोज गाँधी डिग्री कॉलेज, डा0 अभय सिंह जी प्रोफेसर, फिरोज गाँधी डिग्री कॉलेज, डा0 दिनकर त्रिपाठी प्रोफेसर, फिरोज गाँधी डिग्री कॉलेज, सौरभ डायरेक्टर, कृष्णा कम्प्यूटर, चित्रकूट ने निखत कम्प्यूटर के डायरेक्टर मोहम्मद अयाज की उपस्थिति में शुभकामनाओं के साथ किया। इसके बाद अतिथियों ने ओ-लेवल के सभी क्वालीफाई मेधावियों का सम्मान किया। जिसमें 167 बच्चों ने ओ-लेवल क्वालीफाई किया है इन 167 बच्चों में से 79 बच्चें पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित नि:शुल्क ओ लेवल प्रषिक्षण कोर्स के है। जिसमें पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्धारा संचालित निशुल्क ओ-लेवल कोर्स में टॉप करने वाले छात्र शिखर सिंह शामिल है, इसी क्रम में संस्थान से टॉप करने वाली छात्रा सपना अग्रहरी भी शामिल हैं। तथा इसके अलावा अन्य सभी प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया जिसमें निखत कम्प्यूटर के डायरेक्टर मोहम्मद अयाज नेइस सफलता का श्रेय अपनी पूरी टीम तल्हा सर, तरन्नुम, अजमल, अमरेश, अरविन्द, अतुल, आकाश, जमीर, गिरीश जी को देते हुए सभी का सम्मान किया और सभी छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की जिससे वह सफलता की ऊँचाइयों पर पहुचें।

पुलिस ने एक महिला सहित पांच शराब तस्कर किये गिरफ्तार

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

जसबन्त नगर,इटावा। जसबन्त नगर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक महिला समेत 5 शराब तस्कर गिरफ्तार किया है। जिलाधिकारी-एसएसपी ने चेकिंग के दौरान शराब बरामद की है। आपको बतादें निकाय चुनाव को लेकर इटावा जनपद की सीमा पर की जा रही वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने अबैध शराब बरामद की है। जिलाधिकारी अवनीश राय और एसएसपी संजय कुमार वर्मा आगरा इटावा की सीमा पर एसपी सिटी कपिल देव सिंह सीओ अतुल प्रधान और इंस्पेक्टर जंसवन्तनगर मुकेश सोलंकी और पुलिस बल के साथ चेकिंग कर रहे थे। बिहार ले जाई जा रही थी अवैध शराब, शराब तस्कर महिला को गाड़ी में आगे बैठाकर फैमिली बताकर पुलिस की आंखों में धूल झोंककर शराब की तस्करी की जा रही थी। पुलिस ने तस्करों की गाड़ी से कई नम्बर प्लेट बरामद की हैं, तस्कर जिस राज्य से निकलते उस राज्य की नंबर प्लेट लगा लेते थे लंबे समय से शराब तस्करी में लिप्त शराब तस्कर पकड़े गए।

जनता चाहती है पालिका अध्यक्ष योग्य एवं सक्षम नेता हो ना कि किसी का जेबी : के एल शर्मा

❑ पूर्व पालिका अध्यक्ष द्वारा विकास के नाम पर जनता के साथ किया गया धोखा : शत्रोहन सोनकर

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

रायबरेली। सांसद सोनिया गांधी के प्रतिनिधि के.एल. शर्मा ने कांग्रेस प्रत्याशी शत्रोहन सोनकर के पक्ष में नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार नगर की सम्मानित जनता कांग्रेस का चुनाव लड़ रही है जनता चाहती है कि पालिका अध्यक्ष एक योग्य और सक्षम नेता हो ना कि किसी का जेबी हो। वहीं शत्रोहन सोनकर ने कहा कि आज की बारिश में जल भराव ने यह दिखा दिया है पूर्व के पालिका अध्यक्ष द्वारा विकास के नाम पर जनता के साथ धोखा किया गया है और जनता अब मन बना चुकी है कि इस बार कांग्रेस को जितवा कर अपने नगर के विकास में अपना योगदान करेगी। जनता लगातार मुझे अपना समर्थन दे रही है और चुनाव में कांग्रेस की भारी मतों से जीत होगी, आज रायबरेली जनपद में जो कुछ है वो सब कांग्रेस की ही देन है, एम्स, निफ्ट जैसी संस्थाएं रायबरेली का गौरव है। लेकिन जब से कांग्रेस की सरकार नहीं है बीजेपी की सरकार ने हमेशा सौतेला व्यवहार किया है लेकिन अब जनता समझ चुकी है कि विकास केवल कांग्रेस के नेतृत्व में ही संभव है।

नगरीय निकाय निर्वाचन सकुशल, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं निर्विघ्न कराने हेतु प्रेक्षक नियुक्त

❍ निर्वाचन सम्बन्धी समस्याओं के लिए प्रेक्षक से सायं 5 से 6 के बीच करें

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई । नगर मजिस्टे टध्प्रभारी अधिकारी प्रेक्षक प्रशान्त तिवारी ने अवगत कराया है जनपद में 04 मई 2023 को होने वाले नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2022 को सकुशल, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने हेतु राज्य निर्वाचन आयोग ने विशेष सचिव माध्यमिक शिक्षा विभाग कृष्ण कुमार गुप्ता मो0 नम्बर-9454416607 को प्रेक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है और प्रेक्षक महोदय का आगमन 29 अप्रैल 2023 को निरीक्षण भवन में सायं हो चुका है। श्री तिवारी ने कहा है कि निर्वाचन से सम्बन्धित समस्या के सम्बन्ध में किसी भी राजनितिक जनप्रतिनिधि, प्रत्यासी, प्रस्ताव या मतदाता को शिकायत करना हो, तो वह निरीक्षण भवन के कक्ष संख्या-01 में सायं 05 से 06 बजे तक प्रेक्षक महोदय से मुलाकात कर सकते है।

जनता ललित मोहन श्रीवास्तव को चुनने का मन बना चुकी- सै मेराजुद्दीन किछौछवी

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जहां पिछले पांच सालों में पूरे नगरपालिका क्षेत्र में विकास के नाम पर भाजपा नेताओं ने अपना विकास किया है एआईसीसी सदस्य सै मेराजुद्दीन किछौछवी, पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेसजनों को सम्बोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद के तथाकथित लंबरदार अब भ्रष्टाचार के पुजारी तथा मंहगाई का देवता बन गये हैं इसीलिए अकबरपुर नगरपालिका परिषद की सम्मानित जनता कांग्रेस प्रत्याशी ललित मोहन श्रीवास्तव को चेयरमैन चुनने का मन बना चुकी है ,ललित मोहन श्रीवास्तव ने कई बार सभासद रहते हुये जनता की जो सेवा निश्छल भाव से की है आम आदमी का हाथ कांग्रेस के साथ आ जुड़ा है जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी डा विजय शंकर तिवारी ने बताया कि अकबरपुर नगरपालिका परिषद चेयरमैन कांग्रेस प्रत्याशी ललित मोहन श्रीवास्तव और कांग्रेसजनों की बैठक अकबरपुर नगरपालिका परिषद प्रभारी सुखीलाल वर्मा की अध्यक्षता और पीसीसी सदस्य गुलाम रसूल छोटू के संचालन में हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप एआईसीसी सदस्य सै मेराजुद्दीन किछौछवी,पूर्व जिलाध्यक्ष और उप्र कांग्रेस सोशल मीडियाके महासचिव संजय तिवारी मौजूद रहे स बैठक में मौजूद समस्त कांग्रेसजनों ने कांग्रेस घोषणापत्र के साथ हर घर पर दस्तक देने की रणनीति सुनिश्चित की कांग्रेस चेयरमैन प्रत्याशी ललित मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि अकबरपुर नगरपालिका परिषद के मुझ सेवक पर जनता विगत पच्चीस वर्ष से भरोसा करती आई है और मैंने निस्वार्थ भाव से से विकास की नयी इबारत लिखी दो दो वार्ड मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पुरस्कार से सम्मानित करवाया ,आज जनता के आशीर्वाद से वह ऐतिहासिक समय आ गया है जब अकबरपुर नगरपालिका परिषद की महान जनता मुझे अपना प्रधान सेवक बनाने जा रही है मैं जनपद मुख्यालय की नगरपालिका को पूर्वांचल प्रांत की राजधानी सा आदर्श बनाऊंगा अकबरपुर नगरपालिका प्रभारी सुखीलाल वर्मा ने कहा कि समस्त कांग्रेसजन जिस तन्मयता से चुनाव में दिन रात लगे हैं

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हर घर बिद्युत संयोजन एवं प्रोत्साहन योजना के संबंध में बैठक

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हर घर बिद्युत संयोजन एवं प्रोत्साहन योजना के संबंध में बैठक आयोजित किया गया।अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल, अम्बेडकर नगर द्वारा योजना पर प्रकाश डालते हुए निम्नवत तथ्यों से अवगत कराया गया। जनपद अम्बेडकर नगर की जनसंख्या लगभग 28.30 लाख है जिनके सापेक्ष लगभग 04 लाख हाउस होल्ड हैं। एवं कुल 3.39 लाख घरेलू विधा के विद्युत संयोजन है। जनपद की संख्या को देखते हुए यह स्पष्ट है कि कुल घरेलू विद्युत संयोजन की संख्या परिवारों की संख्या के सापेक्ष कम है।जिन व्यक्तियों ध् परिवारों के पास वैध घरेलू विद्युत संयोजन नहीं है वे अवैध रूप से विद्युत का उपभोग कर रहे है अथवा विद्युत का उपभोग नहीं कर रहे हैं। अवैध रूप से विद्युत उपभोग करने ध् बिजली चोरी करने पर भारी-भरकम अर्थदण्ड का प्राविधान है। इस स्थिति में सभी परिवारो को वैध विद्युत संयोजन प्रदान करने के उद्देश्य से यह प्रोजेक्ट बनाया गया है इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य एक परिवार एक परिसर और एक घरेलू संयोजन सुनिश्चित करना एवं विद्युत चोरी को रोकना है। इस योजना में मात्र घरेलू उपभोगकर्ताओं को संयोजन दिया जायेग एक परिसर पर मात्र एक घरेलू संयोजन दिया जायेगा जनपद में स्थित इण्टर कॉलेज, आई0टी0आई0, पॉलीटेक्निक एवं उच्च शिक्षा संस्थानों के छात्रों एवं राज्य आजीविका मिशन द्वारा से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह एवं विद्युत सखियों के माध्यम से सर्वेक्षण कराया जायेगा। सर्वेक्षण हेतु छात्रों को प्रोजेक्ट के माध्यम से कार्य आवंटन किया जाए। प्रोजेक्ट में विद्यार्थियों के दल ध् स्वयं सहायता समूहो ध् विद्युत सखियों द्वारा मात्र सर्वेक्षण का कार्य किया जायेगा तथा इच्छुक लोगों से आवेदन कराया जायेगाविद्युत संयोजन प्रदान करने का कार्य विद्युत विभाग द्वारा किया जायेगा।सर्वेक्षण के उपरान्त सम्बन्धित वितरण खण्ड कार्यालय द्वारा प्रत्येक नये संयोजन हेतु रू0 100.00 मात्र का इन्सेन्टिव प्रदान किया जायेगा एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों ध् समूहों को प्रमाण पत्र ध् प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा योजना में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

संयुक्त गठबंधन प्रत्याशी तीन में ना तेरे में-श्रीपाल ठेकेदार बसपा प्रत्याशी चेयरमैन पति, हापुड़

❑ बसपा हापुड़ नगर पालिका चेयरमैन पुष्पा देवी होंगी – श्रीपाल ठेकेदार ❑ बसपा के चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

हापुड़। हापुड़ नगर पालिका परिषद के चेयरमैन पद पर बसपा से चुनाव लड़ रही पुष्पा देवी का शनिवार को बुलंदशहर रोड पर स्थित ग्रीन वैली गार्डन मे चुनाव मुख्य कार्यालय का भव्य उद्घाटन मेरठ मंडल सेक्टर इंचार्ज तिलक चौधरी,नव नियुक्त बसपा जिला अध्यक्ष डॉ एके कर्दम, प्रत्याशी पुष्पा देवी के पति श्रीपाल ठेकेदार व विधानसभा अध्यक्ष केपी सिंह ने मिलकर फीता काटकर किया। उद्घाटन उपरांत चेयरमैन पद प्रत्याशी पुष्पा देवी ने अपने पति के साथ बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर व कांशीराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए वहीं बसपा प्रत्याशी के पति श्रीपाल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि जनता को शहर के विकास के लिए कुर्सी पर बैठकर काम करने वाला व्यक्ति नहीं चाहिए क्योंकि में सड़क पर

उतर कर लोगों के बीच में काम करने वाला व्यक्ति हूं लोगों से जमीनी स्तर से जुड़ा हुआ है और लोगों की भावनाओं को समझता हूं और शहर में बीजेपी कार्यकाल में आधे अधूरे बड़े कार्य को पूरा कराऊंगा व शहर के विकास के लिए जनता के बीच जाकर भाईचारा बना कर व बिना जातिवाद के सर्व समाज के हित में कार्य करेंगे। वही मीडिया द्वारा पुष्पा देवी के पति श्रीपाल से प्रश्न किया गया कि आपकी पार्टी की किस पार्टी से टक्कर है बीजेपी को बिना कटाक्ष कर कहा कि हमारी टक्कर किसी से नहीं है तथा संयुक्त गठबंधन प्रत्याशी आदेश गुड्डू को तीन में ना तेरे में बताते हुए घमंड कर कहा कि हापुड़ नगर पालिका चेयरमैन बसपा पुष्पा देवी होंगी ।

रेलवे फाटक को जोड़ने वाले मिनी वाई पास सम्पर्क मार्ग को पक्का कराने की मांग

संवाददाता

हापुड़। हापुड़ में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक ने एचपीडीए उपाध्यक्ष के नाम प्रीत विहार श्यामनगर रेलवे फाटक से ब्रह्मा देवी मोदीनगर रोड को जोड़ने वाले सम्पर्क मार्ग हापुड़ के जाम से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका में है इस मार्ग से कई गाँवो के लोगों का आवागमन साथ कई नामी स्कूलों के छात्रों का आवागमन इस मार्ग से होता है जिसकी लम्बाई 1.6 इस मार्ग का एक बड़ा हिस्सा मोदीनगर रोड से छोईया रेलवे पुल तक काली सड़क और टायल लगा कर प्राधिकरण द्वारा अच्छी सड़क के रूप

में बनाया है जो सराहनीय है लेकिन शेष भाग दोईया रेलवे पुल से प्रीत विहार- श्यामनगर रेलवे फाटक तक लगभग 800 मी कच्चा व जर्जर ईटों का तथा युक्त है जिस पर आवागमन में परेशानी होती जिसका निमार्ण कराना जनहित में अति आवश्यक है। साथ ही काली सड़क व जर्जर खड्जों को जोड़ने के लिए,छोईया पर पुलिया निमार्ण कराना भी अति आवश्यक है। पहले प्राधीकरणने बनाया था।

गौ सेवा से मिलती है सभी पापों से मुक्ति रूमुरारी लाल अग्रवाल वरिष्ठ समाजसेवी

संवाददाता, कानपुर। दर्शन पुरवा बड़ा सेंटर पार्क में शहर के वरिष्ठ समाजसेवी मुरारी लाल अग्रवाल ने पार्क में विचरण कर रही गायों को लगभग डेढ़ सौ रोटी खिलाई कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि यह कार्य कानपुर व्यापारी एसोसिएशन के सहयोग से लगभग 1 माह से चला आ रहा है उसी क्रम में क्षेत्रीय थाना पुलिस व्यापारी गण की मौजूदगी में सभी के सहयोग से गायों को रोटी खिलाई गई ऐसे ही अन्य लोगों को भी शहर में आपसी जनसहयोग से गायों की सेवा करनी चाहिए क्योंकि गाय की सेवा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है

क्योंकि गाय में ईश्वर बसते हैं गाय की सेवा करना ईश्वर की सेवा करने के बराबर है शहर में तमाम गौशाला है और गौ रक्षक भी हैं कई ऐसे गाय हैं जिनको लोगों ने छोड़ दिया है और वहां भूखे प्यासे इधर-उधर घूमते हैं लोगों का कर्तव्य बनता है बेसहारा गायों को जो भी सुविधा हो सके उनको उपलब्ध कराएं और पुण्य के भागीदार बने।

स्थायी समाधान के लिए गोबिन्द नगर दक्षिण से भाजपा को जिताए

संवाददाता

कानपुर। शहर मे भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से वार्डो मे विकास को गति मिलेगी। नगरीय सुविधाओं के लिए धन की कोई कमी आडे नही आएगी। गोबिन्द नगर दक्षिण वार्ड की सबसे बड़ी सीवर समस्या के समाधान के लिए काम भी शुरु हो चुका है।उक्त बाते भाजपा वार्ड 48 से प्रत्याशी रेनू देवेन्द्र सब्बरवाल व उनके समर्थकों ने मतदाताओं को समझाई। शनिवार को भाजपा प्रत्याशी श्रीमती रेनू देवेंद्र सब्बरवाल ने वार्ड 48 मे भाजपाईयो के साथ सघन जनसंपर्क किया। सुबह ब्लाक संख्या एक व दो तो शाम को ब्लाक आठ एवं नौ मे भाजपाईयो ने वोट के लिए घर घर दस्तक देकर भाजपा प्रत्याशी रेनू देवेंद्र सब्बरवाल के पक्ष मे वोट की अपील की।भाजपाईयो ने मतदाताओं को बारीकी से समझाया कि पिछले बीस बरस से वार्ड में भाजपा का पार्षद न होने से वार्ड की जनता का कितना बड़ा नुकसान हो रहा है।सीवर समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई सार्थक प्रयास नही किए गए। कामचलाऊ काम होने से समस्या खत्म होने की बजाए बडती ही गई। दो चार दिन समस्या हल होने के बाद फिर से दिक्कतें आ खडी होती रही हैं। भाजपाईयो ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक के प्रयासों से गोबिन्द नगर क्षेत्र की सीवर समस्या के स्थायी समाधान हेतू करोड़ों रुपये के बजट से ब्लाक संख्या एक से दस तक कार्य होना है। ब्लाक एक मे कार्य पूर्ण भी हो चुका है। इससें लोगों को दो चार दिनों तक नही अपितु अगले पचास वर्ष तक सीवर समस्या से निजात मिल जाएगी। साथ ही ट्रिपल इंजन की सरकार से शहर के विकास को रफ्तार मिलेगी। जनसंपर्क में प्रमुख रूप से सुनील नारंग, प्रकाश वीर आर्य ,अनिल त्रिपाठी, राजेश श्रीवास्तव, राजेश बाजपेई एडवोकेट, हरि शंकर सिंह, धर्मेंद्र राय,विकास फेरवानी, अनुराग अग्निहोत्री, मनोज पाल,जसपाल भगत ,शोभित सब्बरवाल, आदि रहे।

असद, गुलाम का मजिस्ट्रीयल जांच

संवाददाता, प्रयागराज। जांच अधिकारी,नगर मजिस्ट्रेट झांसी अंकुर श्रीवास्तव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है कि जनपद झांसी में 13 अप्रैल को एस.टी.एफ द्वारा मारे गये असद एवं गुलाम मोहम्मद के प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु मुझे नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद झांसी के थाना बड़ागांव क्षेत्र अन्तर्गत पारीक्षा डैम के निकट 13 अप्रैल को एस.टी.एफ एनकाउण्टर में मारे गये मोहम्मद असद खान पुत्र अतीक अहमद निवासी 195 सी/5 चकिया थाना खुल्दाबाद कमिश्नरेट प्रयागराज हाल पता 295/205/जी/1 कसारी बसारी थाना धूमनगंज कमिश्नरेट प्रयागराज एवं मोहम्मद गुलाम पुत्र मसूदुल हसन उर्फ मकसूदन निवासी 10एच/ए रसूलाबादध्मेहदोरी थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज के प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जांच में किसी भी व्यक्ति,परिजन,रिश्तेदार आदि को उपरोक्त एनकाउण्टर से सम्बंधित जानकारी,साक्ष्य,लिखित कथन प्रस्तुत करना हो, तो वह एक सप्ताह के अंदर जनपद झांसी कलेक्टेट स्थित कार्यालय नगर मजिस्ट्रेट कक्ष संख्या-10 में मजिस्ट्रीयल जांच अधिकारी के समक्ष किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है।

डान ब्रदर्स हत्याकाण्ड-12 मई को तीनों आरोपियों की कोर्ट में पेशी होगी

संवाददाता, प्रयागराज। विगत दिनों हुए अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड में शामिल तीनों आरिपियों की शनिवार को सीजेएम कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी हुई। कोर्ट ने लवलेश तिवारी, सनी और अरुण मौर्य की 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। अब 12 मई को तीनों आरोपियों की कोर्ट में पेशी होगी।एसआइटी की जांच के बाद तीनों आरोपी अभी प्रतापगढ़ की जिला जेल में बंद हैं। मामले की जांच कर रही एसआईटी 4 दिन की कस्टडी रिमांड लेकर सभी से पूछताछ कर चुकी है। अतीक सुरक्षा में शामिल 21पुलिस वालों से होगी पूछताछ अतीक और अशरफकी सुरक्षा में लगे 21 पुलिस वालों से विशेष जांच दल पूछताछ करेगी। साथ ही पोस्टमॉर्टम करने वाले 4 डॉक्टर और सेक्टर मजिस्ट्रेट भी उनकी रडार पर होंगे। प्रत्यक्षदर्शी 35 आम लोगों को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है।नगर पालिका का चुनाव नए मोड़ पे आज भाजपा बाहर हो गई

संदीप पांडे और गंगा सागर में सीधी लड़ाई फाइटिंग

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव। नगर पालिका परिषद उन्नाव ने चुनावी संग्राम तेज होता दिख रहा है जहां पूर्व सैनिक संदीप पांडे वहीं दूसरी ओर बहुजन समाज पार्टी से आए हुए पूर्व प्रधान गंगासागर निषाद की पत्नी मनोरमा निषाद के बीच सीधी टक्कर हो रही है वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय सभासद के बीच लोगों को आपसी भाईचारा के तहत चुनाव होने का अनुमान है यह सब हमारे नहीं बल्कि क्षेत्र के लोगों का चुनाव कहा जाएगा यह तो समय के गर्भ में पर इतना कहना जरूरी है कि नगरपालिका शुक्लागंज गंगा घाट का चुनाव इस बार भाजपा के पक्ष में नहीं है क्योंकि जनता का रुझान भाजपा से अब सिमिट गया नगर पालिका का चुनाव नए मोड़ पर लड़ाई संदीप पांडे और गंगासागर के बीच में फैसला जनता के हाथ में।

आबकारी विभाग व पुलिस ने 4 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया

संवाददाता, मौरावां, उन्नाव आबकारी विभाग व थाना मौरावां की संयुक्त कार्यवाही में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर एक 1000 किग्रा लहन व चार भट्टियों को नष्ट किया गया। नगरीय निकाय चुनाव के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार अवैध शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के क्रम में जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीना के निर्देशानुसार व जिला आबकारी अधिकारी करुणेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में प्रात: राजेश प्रताप सिंह आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 4 पुरवा मय हमराह व स्थानीय पुलिस स्टाफथाना मौरावां के साथ तहसील पुरवा के अंतर्गत संदिग्ध ग्राम जनवारन खेडा, असरेंन्दा,हिलौली में मुखबिर की खास सूचना पर एक बारगी दबिश देते हुए 230 लीटर कच्ची शराब के साथ 4 अभियुक्तों को शराब बनाते हुए 4 भट्ठी मय उपकरणो सहित गिरफ्तार किया गया व लगभग 1000 किलो महुआ लहन को भी मौके पर ही नष्ट किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त में, गुड्डी पत्नी पिंकू निवासी जनवारनखेडा, शिवदेवी पत्नी स्व सुरेश कुमार निवासी हिलौली, कमला पत्नी नरेश निवासी हिलौली, मोहित पुत्र पुत्तन लाल निवासी हिलौली, थाना मौरावां को गिरफ्तार करते हुए थाना मौरावां में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धारा में अभियोग पंजीकृत कराया गया।

वार्ड 52 बसपा केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन हुआ

संवाददाता

कानपुर। कानपुर गीता नगर वार्ड 52 बसपा पार्षद प्रत्याशी मुशीर खान के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन हुआ कार्यक्रम के दौरान महापौर बसपा प्रत्याशी अर्चना निषाद ने पहुंचकर कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया सैकड़ों की तादाद में कार्यकर्ताओं ने जय भीम मायावती काशीराम के नारे लगाए प्रत्याशी मुशीर खान ने भीमराव अंबेडकर और काशीराम के चित्र पर माल्यार्पण कर आए हुए लोगों को संबोधित किया उन्होंने लोगों से कहां की इस बार सर से आप लोग बसपा का मेयर नगर निगम पहुंचाने के साथ सभासद प्रत्याशियों को जिताने का काम करें हमारा मेयर होगा तो शहर का चौमुखी विकास शहर के एक नई पहचान

बनेगी और बहन मायावती जी के हाथ मजबूत होंगे हमारी प्राथमिकता रहेगी क्षेत्रीय जनता के जो भी अधूरे कार्य उनको पूरा करना और सभी समस्याओं का समाधान करना इसलिए आपका आशीर्वाद का आकांक्षी हूं इस दौरान गिरधारी कुरील मोनू खान संजय कटियार सहित सभी गणमान्य पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टीबी एक संवेदनशील मुद्दा हैं : डा.अरुण

संवाददाता

प्रयागराज। देश से क्षय रोग उन्मूलन का लक्ष्य वर्ष 2025 निर्धारित है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में आयुष्मान भारत- हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर की अहम भूमिका है। क्षय रोग उन्मूलन के उद्देश्य के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शनिवार को मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में सीएचओ के चौथे बैच का प्रशिक्षण सत्र संपन्न हुआ। सत्र की शुरुआत प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ.अशोक चौरसिया, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.अरुण कुमार अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सत्येन राय, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. निशा सोनकर की अध्यक्षता में हुई। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि टीबी एक संवेदनशील मुद्दा हैं और हमारी प्राथमिकता भी। सीएचओ को कार्यक्रम के उद्देश्य कार्यप्रणाली और दायित्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने टीपीटी (टीबी प्रिवेन्टिव ट्रीटमेंट) कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस ट्रीटमेंट से लक्षण युक्त व्यक्ति के संकमित होने से पहले की दवा है। यह टीबी संक्रमण से बचाएगी साथ ही यह दवा टीबी मरीज के साथ रहने वाले अत्यंत निकट सम्पर्की व्यक्तियों को भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत पांच साल तक के बच्चो को प्रिवेशन की दवा पहले ही दी जा रही हैं। अब ये बड़ों को भी खिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मरीज के साथ रहने वालों को भी मास्क व स्वच्छता का ध्यान न रख पाने के कारण टीबी संक्रमित हो सकते हैं। सैमसन ने सीएचओ को उनके कार्यों के बारे में बताया

कि सभी सीएचओ अपने क्षेत्र के तीन ऐसे स्थान का चयन करेगा। एसके सैमसन ने कहा कि सीएचओ को आशा एएनएम के दवा विशेष दिवस एवं सामान्य दिनों में भी क्षेत्र विजित संबंधित सहयोग लेना होगा। प्रशिक्षण में पीपीएम आशीष सिंह, धीरेन्द्र सिंह, टीबी कार्यक्रम स्टाफएवं सीफर संस्था के सदस्य उपस्थित रहे ।

अध्ययन केंद्र से छात्राओं को मिलेंगे शिक्षा के अवसर : कुलपति

मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती : प्रो.सीमा सिंह

संवाददाता, प्रयागराज। नवयुग कन्या महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया। इसके पश्चात शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा वर्तमान परिदृश्य में दूरस्थ शिक्षा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने उद्बोधन में दूरस्थ शिक्षा के विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब सारे विश्वविद्यालय बंद थे तब मुक्त विश्वविद्यालय बहुत अच्छे से कार्य कर रहा था। मुक्त शिक्षा वहां भी पहुंच सकती है जहां पर सामान्य शिक्षा नहीं पहुंच सकती। अब छात्र एक साथ 2 डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय में अब ज्योतिष एवं कर्मकांड के कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। वर्तमान समय में आईसीटी का प्रयोग दूरस्थ शिक्षा के संदर्भ में किया जा रहा है। दूरस्थ शिक्षा जीवन पर्यंत शिक्षा हेतु महत्वपूर्ण कड़ी है। डॉ. डंगवाल ने अन्य तकनीकों जैसे मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज, टू साइड ईमेल, इत्यादि के विषय में जानकारी दी। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्राचार्या ने मुख्य वक्ता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, विशिष्ट वक्ता डॉ. किरण लता डंगवाल अध्ययन केंद्र की समन्वयक ऐश्वर्या सिंह एवं शिक्षा शास्त्र विभाग तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, छात्राओं को धन्यवाद दिया। डॉ.निरांजलि सिन्हा, बीएसएनवी पीजी कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.मंजुल त्रिवेदी, विद्यान्य हिंदू पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र कुमार पाल अध्ययन केंद्र की समन्वयक ऐश्वर्या सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष सुनीता सिंह व नीलम यादव तथा महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाएं, छात्राएं एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित थे।

बसपा प्रत्याशी अनीता को मिल रहा लोगों का समर्थन

संवाददाता, उन्नाव। नगर पालिका परिषद उन्नाव की बसपा से प्रत्याशी अनीता विमल द्विवेदी ने शनिवार को अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ कब्बा खेड़ा, रामबख्श खेड़ा, किशोरी खेड़ा, समेत विभिन्न वार्डों में गली गली लोगों से घर-घर जाकर मिलकर विजय होने का आशीर्वाद मांग ।साथ ही उन्होंने कहा सदर नगर पालिका उन्नाव में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण आमजन जलभराव ,गंदगी,गड्ढा युक्त सड़के,जलापूर्ति न हो पाना जैसी मूलभूत समस्याओं से अभी तक वंचित है। उन्होंने कहा सदर की तस्वीर निश्चित तौर पर बदलेगी अगर हमें जनता अपना आशीर्वाद प्रदान करती है तो एक अलग तस्वीर सदर उन्नाव की हम 5 वर्ष में बदलकर दिखा देंगे और हम लगातार जनता के बीच रहकर काम करने वाले लोग है।इस पर जनता उन्हें हाथों हाथ ले रही है व उनके पति समाजसेवी विमल द्विवेदी की साफ-सुथरी छवि के उनकी लोकप्रियता व उनके द्वारा किये गए विभिन्न वार्डों में अपने निजी संसाधनों से पानी निकलवाना,कोरोना काल मे नर सेवा नारायण सेवा के माध्यम से हजारों गरीबो वंचितों को भोजन,राशन आदि उपलब्ध करवाना समाज हित के कार्यों में शामिल रहने की खूब तारीफ कर रही हैं।

जापानी कंपनी का अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर लैंडिंग दौरान हुआ क्रैश

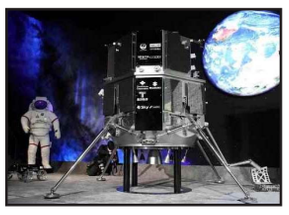

एजेंसी, टोक्यो । जापान की एक कंपनी का अंतरिक्ष यान बुधवार को चंद्रमा पर उतरने की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के कारण यान से संपर्क टूट गया और उडान नियंत्रक यह पता लगाने की कोशिशों में जुटे हैं कि आखिर वहां हुआ क्या। संपर्क टूटने के छह घंटे से अधिक समय बाद तोक्यों की कंपनी 'आईस्पेस ने उस बात की पुष्टि की, जिसका सभी को संदेह था। कंपनी ने कहा कि ऐसी ''उच्च संभावना है कि यान चंद्रमा की सतह पर उतरने की कोशिश करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह 'आईस्पेस के लिए बेहद निराशाजनक है, क्योंकि वह करीब साढे चार महीने से इस मिशन पर काम कर रहा था, जिसका मकसद चंद्रमा की सतह

पर एक अंतरिक्ष यान को सफ्लतापूर्वक उतारना था। ऐसा अभी तक केवल तीन देश ही कर पाए हैं। 'आईस्पेस के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ताकेशी हकमादा को यान से संपर्क टूट जाने के बाद भी उसके चंद्रमा पर सुरक्षित रूप से उतर जाने की उम्मीद थी। हकमादा जब अंतरिक्ष यान के चंद्रमा पर उतरने की कोशिश के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होने की घोषणा कर रहे थे, तब वह और उनके सहकर्मी काफी गमगीन नजर आए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ''यह माना जा रहा है कि यान चंद्रमा की सतह पर उतरे समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अगर यह मिशन सफल होता तो 'आइस्पेस चंद्रमा की सतह पर अंतरिक्ष यान उतारने वाली पहली निजी कंपनी बन जाती। हालांकि, हकमादा ने फिर कोशिश करने का संकल्प किया और कहा कि अगले साल एक यान को चंद्रमा की सतह पर भेजने की दिशा में पहले से ही काम शुरू कर दिया गया है। अभी तक केवल रूस, अमेरिका और चीन की आधिकारिक अंतरिक्ष एजेंसी के यान चंद्रमा की सतह पर सफ्लतापूर्वक उतर पाए हैं। इजराइल की एक गैर-लाभकारी संस्था ने 2019 में चंद्रमा की सतह पर एक यान उतारने की कोशिश की थी, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिल पाई थी।

आपूर्ति से जुडी मौसमी समस्याओं से बढी महंगाई

सरकार की स्थिति पर लगातार नजर : सीतारमण

एजेंसी, नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आपूर्ति से जुडी मौसमी समस्याओं के कारण महंगाई बढी है और जरूरी सामान की कीमतों में नरमी लाने के प्रयासों के साथ उसपर लगातार नजर रखी जा रही है। सीतारमण ने ईंधन और प्राकृतिक गैस के दाम में कमी लाने के प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश में इनका आयात किया जाता है और कोविड तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में ईंधन के दाम ऊंचे हैं। महंगाई और उसे नीचे लाने के उपायों के बारे में पूछे गये सवालों के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा, ''लेकिन जब हम ईंधन या प्राकृतिक गैस के बारे में बात करते हैं, हमें एक चीज समझने की जरूरत है। इन उत्पादों का आयात किया जाता है और खासकर कोविड महामारी तथा उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध से कीमतें तेज

हुई हैं और इसके बावजूद आयात जारी है। केंद्र के स्तर पर हमने इसके दाम में कमी लाने के लिये उत्पाद शुल्क में कटौती की है। उन्होंने कहा कि मंत्रियों का समूह जरूरी सामान और उनकी कीमतों पर नजर रखता है। परिस्थिति के अनुसार अतिरिक्त स्टॉक जारी किया गया। ''जब चावल के दाम में तेजी आई, हमने बफर स्टॉक से चावल जारी किया। सीतारमण ने कहा, ''केंद्र सरकार कीमतों को नीचे लाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। यही कारण है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से घटकर 5.8 प्रतिशत पर आई है। मौसमी स्तर पर आपूर्ति संबंधी समस्याओं के कारण महंगाई बढी है, जिसपर लगातार नजर रखी जा रही है तथा उसे नीचे लाने के उपाय किये जा रहे हैं। उन्होंने पार्टी की आलोचना को लेकर कांग्रेस तथा उसके नेता सिद्धरमैया पर पलटवार भी किया। सिद्धरमैया ने भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उनके इस बयान के लिए निशाना साधा था कि 10 मई का विधानसभा चुनाव कर्नाटक का भविष्य नरेंद्र मोदी के हाथों में सौंपने को लेकर है। उन्होंने पूछा था कि क्या सत्तारूढ दल इतना दिवालिया है कि राज्य में उसे ऐसा कोई कन्नड नेता नहीं दिखता, जो राज्य के भविष्य को देख सके। इस पर पलटवार करते हुए सीतारमण ने कहा, ''देश के प्रधानमंत्री के हाथों में राज्य सौंपे जाने में क्या गलत है? उस प्रधानमंत्री को जो पूरे देश को साथ लेकर चल रहा है और यहां तक घ्क्कि जिलों के विकास पर भी ध्यान दे रहा है... अगर ऐसे प्रधानमंत्री का नाम लिया जा रहा है, तो वे (कांग्रेस नेता) क्यों चिढ रहे हैं? उन्होंने कहा, ''वे शायद भूल गए हैं.... ये वही लोग हैं जो कहते थे कि सोनिया गांधी भारत के लिये सब कुछ है।

मारुति का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 42 प्रतिशत बढकर 2,671 करोड रुपये पर

एजेंसी, नयी दिल्ली। देश की सबसे बडी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएमआई) का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च में समाप्त बीते वित्त वर्ष (2022-23) की चौथी तिमाही में 42 प्रतिशत बढकर 2,671 करोड रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि बिक्री में सुधार, प्राप्तियां बेहतर रहने और अनुकूल विदेशी मुद्रा विनिमय गतिविधियों से उसका मुनाफा बढा है। एमएसआई ने इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की मार्च तिमाही में 1,876 करोड रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी की आलोच्य तिमाही में शुद्ध बिक्री 26,749 करोड से बढकर 32,060 करोड रुपये पर पहुंच गई। एमएसआई का पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में एकीकृत शुद्ध लाभ 8,211 करोड रुपये रहा। वित्त वर्ष 2021-22 में यह आंकडा 3,879 करोड रुपये रहा था। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की शुद्ध बिक्री भी 88,330 करोड रुपये से बढकर 1,17,571

करोड रुपये पर पहुंच गई। एमएसआई ने कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने निर्यात सहित अनुमानित बाजार मांग को पूरा करने के लिए हर साल 10 लाख कारों तक की अतिरिक्त क्षमता के सृजन को मंजूरी दी है। चौथी तिमाही में सालाना आधार पर कंपनी की वाहन बिक्री 5.3 प्रतिशत बढकर 5,14,927 इकाई पर पहुंच गई। जनवरी-मार्च की तिमाही में घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री 7.1 प्रतिशत बढकर 4,50,208 इकाई रही। इस दौरान कंपनी का निर्यात 68,454 इकाई से घटकर 64,719 इकाई रह गया। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की कुल वाहन बिक्री 19,66,164 इकाई रही। हालांकि, वित्त वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की कमी की वजह से कंपनी करीब 1.70 लाख इकाइयों का उत्पादन नहीं कर पाई। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 60 रुपये प्रति शेयर की तुलना में 90 रुपये प्रति शेयर के अबतक के सबेस ऊंचे लाभांश की सिफारिश की है। बीएसई पर कंपनी का शेयर 0.26 प्रतिशत की बढत के साथ 8,503.15 रुपये पर बंद हुआ।

यूएन की गुहार-2023 में अफगान लोगों को मदद के लिए 4.62 बिलियन यूएस डालर की जरूरत

एजेंसी, काबुल। अफगानिस्तान में मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने दुनिया के समक्ष गुहार लगाते हुए कहा है कि 2023 में, उन्हें अफ्गान लोगों को मानवीय सहायता के लिए 4.62 बिलियन अमरीकी डालर की आवश्यकता है। अफ्गानिस्तान स्थित टोलो न्यूज ने बताया ओसीएचए के अनुसार, मानवीय सहायता अफ्गानिस्तान के नागरिकों के लिए अंतिम जीवन रेखा है।

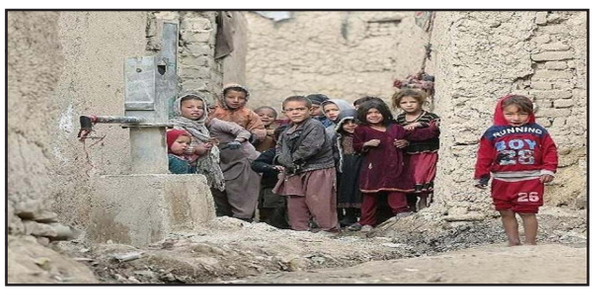

ओसीएचए ने कहा अफगानिस्तान लगातार तीसरे वर्ष सूखे, दूसरे वर्ष गंभीर आर्थिक कठिनाई का सामना कर रहा है, और दशकों के युद्ध और बार-बार होने वाली प्राकृतिक आपदाओं के परिणामों के साथ, मानवीय सहायता अधिकांश आबादी के लिए अंतिम जीवन रेखा बनी हुई है। 2023 में 23.7ड लोगों की सहायता के लिए 4.62इद की आवश्यकता है। काबुल में रहने वाला एक निम्न-आय व्यक्ति करीमदाद ने कहा कि वह आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, और बेरोजगारी ने उसकी समस्याओं को बढा दिया है। करीमदाद ने कहा, हम ओसीएचए से मदद मांगते हैं और हमें काम मुहैया कराया जाए। इस बीच, कार्यवाहक तालिबान शासन के तहत अर्थव्यवस्था मंत्रालय के डिप्टी ने अफ्गानिस्तान को निरंतर मानवीय सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मानवीय सहायता का राजनीतिकरण न करने को कहा। तालिबान के डिप्टी अब्दुल लतीफ नजारी ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को मानवीय सहायता का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए, इसे अफ्गान लोगों की मदद करनी चाहिए और सहायता जारी रखनी चाहिए। मानवीय सहायता के साथ-साथ विकास और प्रगति के क्षेत्र में भी मदद दी जानी चाहिए। टोलो न्यूज द्वारा उद्धृत अर्थव्यवस्था मंत्रालय का नेतृत्व किया। कई अर्थशास्त्रियों ने कहा कि अफ्गानिस्तान में गरीबी को कम करने के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लागू करना आवश्यक है। एक अर्थशास्त्री अब्दुल नसीर रेश्तिया ने कहा, ष्देशों में गरीबी के स्तर को कम करने के लिए यह आवश्यक है कि दुनिया आर्थिक सहायता के साथ हमारे साथ सहयोग करे।

हड़ताल से प्रभावित रहे ज्यादातर ब्लिंकिट स्टोर पर परिचालन शुरू हुआ : जोमेटो

एजेंसी, नयी दिल्ली। घरेलू इस्तेमाल के सामान की त्वरित आपूर्ति करने वाली कंपनी ब्लिंकिट के ज्यादातर स्टोर पर परिचालन शुरू हो चुका है। इससे पहले, ये स्टोर डिलीवरी साझेदारों की हड़ताल से प्रभावित हुए थे। जोमेटो ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। पिछले वर्ष जोमेटो ने ब्लिंकिट (पहले ग्रोफर्स इंडिया) का अधिग्रहण कर लिया था। बीते दिनों मंच के डिलीवरी साझेदारों ने प्रत्येक ऑर्डर के बदले मिलने वाले भुगतान में कटौती के विरोध में हड़ताल की थी जिससे आपूर्ति मंच का परिचालन प्रभावित हुआ था। जोमेटो ने शेयर बाजारों को सूचित किया, ''अपने कर्मचारियों, डिलीवरी साझेदारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमने कुछ स्टोर थोड़े दिन के लिए बंद कर दिए थे, हालांकि इनमें से ज्यादातर स्टोर पर परिचालन शुरू हो गया है।''

वीपीएस समूह की भागीदारी में मेडोर अस्पताल का अधिग्रहण करेगा फोर्टिस

एजेंसी, नयी दिल्ली। स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी कंपनी फोर्टिस हेल्थकेयर ने मानेसर स्थित मेडोर अस्पताल के अधिग्रहण के लिए संयुक्त अरब अमीरात के वीपीएस समूह के साथ समझौते किया है। सौदे का आकार 225 करोड़ रुपये होगा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। फोर्टिस ने 225 करोड़ रुपये के कुल खरीद मूल्य पर मेडोर अस्पताल को खरीदने के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। अस्पताल की क्षमता 350 बिस्तरों की है। इसे लगभग नौ महीनों में चरणबद्ध तरीके से चालू किया जा सकता है। इसके तहत मेडोर की भूमि, भवन और चल संपत्ति की खरीद शामिल है। सौदा जुलाई 2023 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। फोर्टिस हेल्थकेयर ने एक बयान में कहा कि इस सौदे के लिए राशि कर्ज और आंतरिक स्रोतों से जुटाई जाएगी।

पाकिस्तान में आटा लेने गई वृद्धा धक्का-मुक्की से गिरी

एजेंसी, पेशावर। कंगाल पाकिस्तान में लोग महंगाई और बेरोजगारी की मार झेलने को मजबूर हैं। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि लोग आए दिन मुफ्त का आटा या खाद्यान्न लेने के लिए भगदड के शिकार होकर दम तोड रहे हैं। ताजा मामला पंजाब प्रांत के मुजफ्फरगढ जिले के खानगढ कस्बे का है जहां मुफ्त बंट रहा आटा लेने गई करीब 60 साल की महिला की धक्का-मुक्की की शिकार होकर जमीन पर गिर गई और लोग उसे कुचलते हुए निकल गए जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि प्रशासन इश मामले अलग ही राग अलाप रहा है। प्रशासन के अनुसार माई को आटे की थैली मिली थी और वह घर जा रही थी तभी उसे दिल का दौरा पडा। खानगढ थाना प्रभारी ने मृतका का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। भीड छंटने पर बुरी तरह से घायल महिला को नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। मृत महिला की पहचान जन्नत माई के रूप में हुई है। बता दें कि आटा लेने के दौरान हाल के दिनों में मुजफ्फरगढ में यह चौथी मौत है। इससे पहले अलग-अलग घटनाओं में तीन लोग मर चुके हैं। जिला प्रशासन ने बताया कि विसंडी वाली निवासी गुलाम शब्बीर की पत्नी जन्नत माई की दिल का दौरा पडने से मौत हो गयी।

जनवरी-मार्च तिमाही में ऑडी इंडिया की बिक्री दोगुना से अधिक हुई

एजेंसी, नयी दिल्ली। लग्जरी कार कंपनी ऑडी इंडिया की बिक्री चालू कैलेंडर साल की जनवरी-मार्च तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 1,950 इकाई पर पहुंच गई। इससे पिछले साल की पहली तिमाही में कंपनी ने 862 वाहन बेचे थे। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लन ने बयान में कहा, ''हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो में इस समय 16 मॉडल हैं। इनमें सबसे मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो है जिसका कंपनी की कुल बिक्री में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हाल में उतारी गई क्यू3 और क्यू3 स्पोर्टबैक की देशभर से काफी मांग आ रही है।

गूगल की अपील पर प्रतिस्पर्धा आयोग, एडीआईएफ को नोटिस जारी

एजेंसी, नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गूगल की तीसरा पक्ष ऐप भुगतान नीति पर विचार करने संबंधी भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) को जारी निर्देश के मामले में बुधवार को आयोग और स्टार्टअप संगठनों के प्रतिनिधि निकाय एडीआईएफ से अपना पक्ष पेश करने को कहा।मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने गूगल की अपील पर सीसीआई और अलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) को नोटिस जारी किया। गूगल ने न्यायालय की एकल पीठ के सीसीआई को दिए गए निर्देश को चुनौती दी है। एकल पीठ ने गत सोमवार को प्रतिस्पर्धा आयोग को निर्देश दिया था कि वह 26 अप्रैल तक गूगल की नई ऐप भुगतान नीति पर एडीआईएफ की आपत्तियों पर गौर करे। इसके पहले आयोग कोरम के अभाव का हवाला देते हुए इसपर विचार करने से इनकार कर चुका था। देश में नवोन्मेषी स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधि

संगठन एडीआईएफ ने कमीशन के आधार पर ऐप में खरीद की छूट और डाउनलोड की सुविधा देने की गूगल की नीति को चुनौती दी है। इसने भुगतान कर डाउनलोड किए जाने वाले ऐप और ऐप के जरिये खरीद में बाहरी भुगतान सुविधा प्रदाताओं को कमीशन के आधार पर मंजूरी देने का विरोध किया है। गूगल की तरफ से पेश हुए वकील साजन पूवैया ने कहा कि वह इस मामले में न्यायालय से किसी अंतरिम आदेश की मांग नहीं रख रहे हैं। इसपर पीठ ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। इसके पहले उच्च न्यायालय ने एकल पीठ के आदेश के खिलाफ गूगल की अपील पर तत्काल सुनवाई करने की अपील को ठुकरा दी थी।

नेपाल ने फ्लाई दुबई एयरलाईन के 2 प्रबंधकों की एयरपोर्ट एंट्री पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण ने फ्लाई दुबई एयरलाइन के दो प्रबंधकों के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में प्रवेश करने पर रोक लगा दी। दोनों पर खाडी देश की एयरलाइन के एक विमान से पक्षी के टकराने की अफ्वाह फैलाने का आरोप है। काठमांडू हवाई अड्डे से सोमवार को 168 लोगों को लेकर उडान भरने वाला फ्लाईदुबई का विमान मंगलवार सुबह दुबई में सुरक्षित उतरा। उडान भरने के बाद विमान के एक इंजन में खराबी आ गई थी। फ्लाई दुबई की काठमांडू-दुबई उडान में सोमवार रात 9 बजकर 20 मिनट पर उडान भरते वक्त दिक्कत आ गई। विमान ने काठमांडू के आकाश में एक चक्कर लगाया और काठमांडू के पश्चिम में स्थित धाडिंग जिले के आकाश में पहुंचा। पायलट ने बाद में काठमांडू हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रकों को सूचित किया कि समस्या का समाधान हो गया है

और विमान अपने गंतव्य दुबई की ओर बढ गया। विमान के एक इंजन में खराबी आ गई और विमान के एक हिस्से में आग लग गई। सभी संकेतकों की जांच के बाद पायलट को इंजन में कोई और समस्या नहीं मिली और वह गंतव्य की ओर उड गया। दुबई में वह सुरक्षित रूप से उतरा। इंजन में खराबी के बावजूद विमान ने अपने गंतव्य की ओर उडान भरी। लेकिन फ्लाईदुबई के आधिकारिक पृष्ठ पर दावा किया गया कि विमान एक पक्षी से टकराया था। नेपाल के नागर विमानन प्राधिकरण (बछ्छ) ने दावे को खारिज कर दिया और कहा कि घटना के दौरान विमान से कोई पक्षी नहीं टकराया। सीएएएन ने फ्लाईदुबई के दो प्रबंधकों के खिलाफ कार्रवाई की है। सीएएएन ने एक बयान में कहा, जैसा कि फ्लाईदुबई के दो प्रबंधकों ने अफ्वाह फैलाई कि काठमांडू-दुबई उडान से एक पक्षी टकरा गया था, फ्लाईदुबई के देश में प्रबंधक और हवाई अड्डे के प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सीएएएन के अनुसार, फ्लाईदुबई के दोनों प्रबंधकों को हवाईअड्डे में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है और उनके हवाईअड्डे के पास भी निष्क्रिय कर दिए गए हैं।

चीन में ऐतिहासिक स्तर पर पहुंची बेरोजगारी

सामाजिक अस्थिरता भी बढी

एजेंसी, बीजिंग। दुनिया पर राज करने की लालसा रखने वाला चीन सामाजिक अस्थिरता की ओर बढ रहा है। चीन में बेरोजगारी ऐतिहासिक स्तर तक पहुंच चुकी है। जियोपॉलिटिक्स रिपोर्ट के अनुसार क्रेडिट जोखिम और धीमी वैश्विक वृद्धि जैसी विभिन्न चुनौतियों के साथ युवा बेरोजगारी दर ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो संकेत देती है कि शून्य-कोविड नीति के विनाशकारी प्रभावों के बाद भी चीन का आर्थिक दृष्टिकोण अनिश्चित बना हुआ है। भू-राजनीति रिपोर्ट के अनुसार, एक असमान वसूली के अलावा, लगातार युवा बेरोजगारी एक चिंता का विषय बनी हुई है, विशेष रूप से रिकॉर्ड 11.58 मिलियन छात्रों ने इस वर्ष विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, 16 से 24 वर्ष की आयु के चीनी शहरी निवासियों में बेरोजगारी फरवरी में 18.1 प्रतिशत से मार्च में तेजी से बढकर 19.6 प्रतिशत हो गई, जो पिछले जुलाई में 19.9 प्रतिशत की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। जियो-पॉलिटिक्स रिपोर्ट के अनुसार, लगातार युवा बेरोजगारी के पीछे धीमी विनिर्माण और कमजोर आईटी क्षेत्र दो ताकतें हो सकती हैं। हालांकि, सामाजिक गतिशीलता के बारे में चिंताएं अब कुछ युवा चीनी लोगों को कैरियर और परिवार के संबंध में सामाजिक अपेक्षाओं के विरुद्ध धकेलने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

चीन में निराशाजनक नौकरी बाजार को लेकर जनता की चिंता के बीच दावा है कि साल 2021 में चीन में 70,000 से अधिक मास्टर डिग्री धारकों ने भोजन वितरण का काम किया है। एशिया फैक्ट चेक लैब के शोध में पाया गया कि व्यापक रूप से प्रसारित यह अनुमान विश्वसनीय है। चीनी साइबरस्पेस प्रशासन ने इसके विपरीत दावे को खारिज करने और घरेलू नौकरी की कमी से उत्पन्न चिंता को शांत करने के अपने प्रयास में गलत सूचना का इस्तेमाल किया। बता दें कि चीन में बेरोजगारी एक ज्वलंत मुद्दा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने बताया कि 2020 में नाममात्र की बेरोजगारी दर 20 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसमें 16 करोड लोग नौकरी से बाहर हो गए थे। साल 2021 में यह संख्या थोडी घटकर 14 करोड हो गई।

पीएलआई के तहत मार्च तक 2,875 करोड रुपये आवंटित

एजेंसी, नयी दिल्ली। सरकार ने उत्पादन से जुडी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लाभार्थियों को मार्च तक 2,874.71 करोड रुपये जारी किए हैं। इससे लाभान्वित होने वाली कंपनियों में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, दवा एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुडी फर्मों की बहुतायत है। उद्योग संवर्द्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर ने यहां संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आठ उद्योग क्षेत्रों का प्रदर्शन पीएलआई योजना के तहत काफी अच्छा रहा है जबकि कुछ अन्य क्षेत्रों को अपनी रफ्तार बढाने की जरूरत है। सरकार ने वर्ष 2020 में घरेलू विनिर्माण को बढावा देने के लिए पीएलआई योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत 14 क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन के तौर पर कंपनियों को देने के लिए 1.97 लाख करोड रुपये का प्रावधान रखा गया था। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत आठ क्षेत्रों की कंपनियों से 3,420.05 करोड रुपये के प्रोत्साहन दावे मिले हैं जिनमें से मार्च तक सरकार ने 2,800 करोड रुपये से अधिक का भुगतान कर दिया है। सिंह ने कहा, ''अगले दो-तीन साल काफी महत्वपूर्ण होंगे और हमें उम्मीद है कि चीजें तेज रफ्तार से आगे बढेंगी।'' दिसंबर, 2022 तक सरकार को 14 क्षेत्रों में सक्रिय कंपनियों से 717 आवेदन मिले थे। इनमें कंपनियों ने 2.74 लाख करोड रुपये निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी। हालांकि, सिंह ने कहा कि वास्तविकता में 53,500 करोड रुपये का निवेश ही हुआ है जिससे पांच

लाख करोड रुपये की उत्पादन वृद्धि और तीन लाख से अधिक रोजगार पैदा हुए हैं। पीएलआई योजना के तहत सबसे ज्यादा 1,649 करोड रुपये इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को आवंटित किए गए थे। इसके अलावा दवा क्षेत्र को 652 करोड रुपये और खाद्य उत्पाद क्षेत्र को 486 करोड रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। इस योजना के दायरे में कुछ अन्य क्षेत्रों को भी शामिल किए जाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कई उद्योगों से इस तरह की मांग सामने आ रही हैं लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं किया गया है।

केकेबीकेकेजे को दुबई में प्रोमोट करने के बाद मुंबई लौटे सलमान खान

बॉलीवुड

बॉलीवुड के मशहूर दबंग एक्टर सलमान खान को हाल ही में एक बार फिर जान से मारने की धमकी का ई-मेल मिला है। अभिनेता के एक करीबी सहयोगी को एक ई-मेल मिला था, जिसमें जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के हाल के एक साक्षात्कार का संदर्भ दिया गया था, जिसमें उसने दावा किया था कि उसके जीवन का लक्ष्य अभिनेता को मारना था। बाद में, एक अज्ञात कॉलर ने 10 अप्रैल को रात 9 बजे मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को धमकी भरी कॉल की, जहां उसने खान को 30 अप्रैल, 2023 को खत्म करने की धमकी दी। इस बीच, सुपरस्टार अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म किसी का भाई के प्रचार के लिए दुबई गया। किसी की जान। आज 26 अप्रैल को वे कड़ी सुरक्षा के बीच मुंबई लौटे। एक पैप द्वारा शेयर किए गए वीडियो में सलमान खान ब्लैक प्लेन शर्ट और ब्लू डेनिम जींस पहने एयरपोर्ट से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं. वह कई अंगरक्षकों से घिरा हुआ है जो जनता को दूर भगाते हैं। सलमान खान के बगल में उनके लंबे समय के बॉडीगार्ड शेरा हैं। किसी का भाई किसी की जान में सलमान खान के साथ पूजा हेडगा, शहनाज गिल, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, वेंकटेश और अन्य कलाकार हैं। येंतम्मा में राम चरण की विशेष भूमिका है। यह फिल्म 21 अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित और सलमान खान फिल्म्स द्वारा निर्मित है। फिल्म की कहानी भाईजान की है जो एक ईमानदार आदमी है। वह अपने भाइयों के साथ खुशी से रहता है और किसी के भी साथ विवाद सुलझाने के लिए हिंसा का इस्तेमाल करता है। हालाँकि, वह अपनी प्रेमिका की खातिर अपने तरीके सुधारने का फैसला करता है। जब भाईजान को पता चलता है कि उसकी प्रेमिका का परिवार उनके पिछले प्रतिद्वन्दी के कारण संकट में है, तो वह उनकी रक्षा के लिए निकल पड़ता है।

सुष्मिता सेन ने फिर शुरु की आर्या 3 की शूटिंग

हार्ट सर्जरी के बाद तलवारबाजी करता देख फैंस हुए हैरान

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन एक बार फिर काम पर लौट आई हैं। हार्ट सर्जरी से रिकवरी के एक महीने बाद एक्ट्रेस ने फिल्म के सेट पर वापसी की है। सुष्मिता ने एक बार फिर अपनी मोस्ट अवेटेड सीरीज 'आर्या सीजन 3' की शूटिंग शुरु कर दी है और एक्ट्रेस को सेट पर काफी फिट लुक में स्पॉट भी किया गया है। सेट पर अपनी वापसी की खबर सुष्मिता ने खुद सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को दी है। सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट पर अपने कमबैक की अनाउंसमेंट की है। अपने हिट शो के सीजन 3 की शूटिंग ऑफिशियली तौर पर फिर से शुरू करने की जानकारी के साथ एक्ट्रेस ने सीरीज का दमदार टीजर भी शेयर किया है जिसे देखकर हर किसी का मुंह खुला रह गया है। एक्ट्रेस ने अपनी एक फोटो भी शेयर की है जिसमें वो अपने हाथ में तलवार पकड़े दिखाई दे रही हैं। सुष्मिता सेन ने आर्या 3 का नया टीजर वीडियो शेयर किया है जिसमें वो ब्लैक आउटफिट पहने दिख रही हैं। खुले बालों के साथ एक्ट्रेस शानदार तलवारबाजी करती दिखाई दे रही हैं। क्लिप में लिखा है, ये तीसरे राउंड का टाइम है। हार्ट सर्जरी के एक महीने बाद ही एक्ट्रेस के इस अंदाज ने हर किसी को हिलाकर रख दिया है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। टीजर वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, वो मतलबी है। वो निडर है। वो वापस आ गई है। आर्या सीजन 3 की शूटिंग फिर से शुरू हो गई है ... अपनी फेवरट एक्ट्रेस का ये राउडी अवतार देखकर उनके चाहने वाले काफी खुश हो गए हैं और उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कॉमेंट कर लिखा, शेरनी के पंजे बाहर आ गए। दूसरे यूजर ने लिखा, यय !! बाघिन वापस आ गई है!!! एक अन्य यूजर ने लिखा, माई पावरहाउस। वर्क फ्रंट की बात करें तो आर्या 3 के अलावा सुष्मिता सेन फिल्म ताली में नजर आएंगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने ताली के लिए डबिंग पूरी की थी। ये फिल्म ट्रांसजेंडर श्रीगौरी सावंत की लाइफ पर बेस्ड है। सुष्मिता ने ताली में श्रीगौरी सावंत का रोल प्ले कर रही हैं। फैंस एक बार फिर एक्ट्रेस को आर्या 3 में देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

कश्मीर की वादियों में दिखे एसआरके

फैंस के उठे सवाल की आखिर अब क्या लाने वाले हैं पठान

बॉलीवुड के एसआरके यानि शाहरुख खान को लाइम लाइट में आने के लिए किसी खास मौके की जरूरत नहीं वह खुद अपने आप में ही एक खबर हैं जो हमेशा सुर्खियों में छायी रहती हैं। फिर चाहे वो खबर किंग खान की महंगी वॉच को लेकर हो या बॉलीवुड में आने वाली उनकी अपकमिंग मूवी की हो किंग खान के बारे में हर एक बात जानने की उनके फैंस को बड़ी बेसब्री रहती हैं। अब वही एसआरके जन्नत की वादियों में स्पॉट किये गए हैं, जी हाँ... ! हाल ही में शाहरुख खान को कश्मीर की वादियों में देखा गया हैं। उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल काफी तेजी से वायरल हो रहा है। कहा जा रहा है कि एक्टर अपनी अगली फिल्म की तैयारी के लिए वहां पहुंचे हुए हैं।बता दे की शाहरुख खान का ये वीडियो कई सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्मस पर वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता अपनी अपकमिंग फिल्म डंकी की शूटिंग के सिलसिले में कश्मीर की वादियों में पहुंचे हुए है। लीक हुए वीडियो में शाहरुख का ग्रैंड वेलकम किया जा रहा है। तो वहीं, पठान की जबरदस्त सफलता के बाद अब उनकी अगली पेशकश डंकी को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट देखी जा सकती है। वायरल हो रहे इस क्लिप के मुताबिक, किंग खान इस वक्त कश्मीर में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, किंग खान कश्मीर के सोनमर्ग में डंकी के एक गाने के सीक्वेंस की शूटिंग के लिए पहुंचे हैं। क्लिप में एसआरके ब्लैक जैकेट में हाथों में बुके लिए होटल के अंदर जाते दिखायी दे रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके वेलकम में किसी तरह की कोई कमी-पेशी नहीं की गई है उनका स्वागत भी नहीं की तरह ग्रैंड और क्लासी रहा। साथ ही बता दें इसके पहले शाहरुख साल 2012 में रिलीज हुई यश चोपड़ा की फिल्म श्जब तक है जानश् की शूटिंग के लिए कश्मीर आए थे इसके बाद उनका कश्मीर में पूरे 11 सालो के बाद रुख हुआ हैं। बता दें कि शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम स्टारर पठान ने तो बॉक्स ऑफिस पर इतिहास ही रच दिया हैं 4 साल के बाद फिल्मी परदे परकमबैक करने वाले किंग खान ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की थी। तो वही अब उनकी अगली पेशकश डंकी में शाहरुख पहली बार तापसी पन्नू के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे। जिसके बाद वाकई देखना दिलचस्प होगा कि तापसी और किंग खान की जोड़ी को लोगों का कितना प्यार मिलता है?

मॉम्स-टू-बी गौहर खान और पंखुड़ी अवस्थी ने अपने बेबी बंप को किया फ्लॉन्ट, पेपराजी को दिए जमकर पोज

टीवी एक्ट्रेसेस गौहर खान और पंखुरी अवस्थी टेलीविजन इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से दो हैं। वही प्यारी अभिनेत्रियाँ जल्द ही अब अपने जीवन के सफर में एक और पड़ाव को चढ़ने के लिए तैयार हैं। जल्द ही दोनों माँ बनने वाली हैं और अपने जीवन के नए चरण का आनंद ले रही हैं। जहां उन्होंने खाने का लुत्फ उठाया, वहीं उनके द्वारा शेयर की गई तस्वीरों ने हमारा ध्यान खींचा। पंखुड़ी ने अपने गेट-टूगेदर से तस्वीरों की एक श्रृंखला पोस्ट की। एक तस्वीर में पंखुड़ी और गौहर ने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए साथ में पोज दिया। ट्रेडिशनल वियर में एक्ट्रेसेस बेहद खूबसूरत लग रही हैं। पंखुड़ी ने लाल रंग का सूट पहना था, जिसके साथ उन्होंने काला चोकर और एक छोटी बिंदी भी पहनी थी। होने वाली मां प्राकृतिक चमक बिखेरती नजर आ रही हैं। गौहर ने सफेद धागे के काम के साथ एक खूबसूरत काले रंग का सूट पहना था। उसने छोटे झुमके पहने और अपने बाल खुले रखे।जहां गौतम ने बैंगनी रंग की टी शर्ट पहनी थी, वहीं जैद ने पारंपरिक कुर्ता पहना था। दोनों कपल ने साथ में कैमरे को पोज दिए और खुश नजर आए। पंखुड़ी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें अपलोड करते हुए लिखागौहर ने फोटो सीरीज पर कमेंट किया और लिखा, क्या खूबसूरत तस्वीरें हैं! सर्वशक्तिमान हम सभी को आशीर्वाद दे सकता है। अमीन जैद ने भी लिखा, सुंदर! फोटो पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रशंसकों ने भी माँ बनने वाली दोनों ही मदर्स पर अपने प्यार और तारीफों की बारिश की। तीसरी तस्वीर, यानी, वह तस्वीर जिसमें गौहर और पंखुरी अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट कर रही हैं, प्रशंसकों ने सभी का ध्यान खींचा, तीसरी तस्वीर बहुत प्यारी है! 2-दो एक साथ माँ बनो! एक अन्य ने लिखा, दोनों मेरे पसंदीदा एक फ्रेम में। इसी बीच पंखुड़ी ने एक क्यूट वीडियो के साथ सोशल मीडिया पर एक हालिया पोस्ट में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की। जबकि गौहर अपने अंतिम ट्राइमेस्टर में हैं और जल्द ही डिलीवरी होने की उम्मीद है।

बॉलीवुड

सामंथा रुथ प्रभु का 10वीं क्लास का रिपोर्ट कार्ड हुआ वायरल, एक्ट्रेस बोलीं-फिर सामने आ गया ये

टॉलीवुड एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु को आज किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय और चहेते सितारों में से एक, अभिनेत्री के प्रशंसकों का एक बड़ा ही आधार है। अपने अभिनय कौशल के लिए हमेशा सराही जाने वाली अभिनेत्री ने पिछले कुछ वर्षों में बड़ी सफलता पाई है। न केवल उनका अभिनय, बल्कि वह अपने निजी जीवन को कैसे संभालती हैं और हाल ही में, उनका स्वास्थ्य मुद्दा कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया। हाल ही में, हमारे पसंदीदा स्टार का रिपोर्ट कार्ड वायरल हुआ और प्रशंसक यह जानकर शांत नहीं हो सके कि कैसे यह शानदार अभिनेत्री शिक्षाविदों में भी प्रतिभाशाली थी। हाल ही में एक पोस्ट में सामंथा ने एक पोस्ट को रीट्वीट किया जिसमें उनके रिपोर्ट कार्ड की एक तस्वीर दिखाई गई थी। सामंथा ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हा हा, यह फिर से सामने आया है, वाह!ष् रिपोर्ट कार्ड से यह स्पष्ट है कि समांथा एक उत्कृष्ट छात्रा थी क्योंकि उसने सभी विषयों में 80 से ऊपर अंक प्राप्त किए थे। अभिनेत्री ने भूगोल और वनस्पति विज्ञान को छोड़कर गणित में 100 और बाकी में 90 अंक हासिल किए। सामंथा के शिक्षक द्वारा दी गई टिप्पणी में लिखा है, उसने अच्छा किया है, वह स्कूल के लिए एक संपत्ति है। ठीक है, हम असहमत नहीं हो सकते। यह समांथा का 10वीं क्लास का रिपोर्ट कार्ड था। इस बीच, पेशेवर मोर्चे पर, सामंथा को हाल ही में उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक शाकुंतलम में देखा गया था। अभिनेत्री भी कुशी के सेट पर शामिल हो गई हैं। रोमांटिक कॉमेडी फिल्म शिव निर्वाण द्वारा अभिनीत है और इसमें विजय देवरकोंडा भी हैं। यह इस साल 1 सितंबर को रिलीज होने वाली है। वह वरुण धवन के साथ सिटाडेल की शूटिंग में भी व्यस्त हैं।

इस फिल्म से निकाले जाने पर फूटा तेरे नाम एक्ट्रेस भूमिका चावला का गुस्सा, कहा-मुझे बुरा लगा कि ये...

सलमान खान स्टारर तेरे नाम की निर्जरा को हर किसी को याद होगी। निर्जरा के किरदार से फैंस के दिलों में अपनी जगह बनाने वाली एक्ट्रेस भूमिका चावला इन दिनों फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। सालों बाद भूमिका और सलमान को एक-साथ स्क्रीन शेयर करता देख फैंस काफी खुश हैं।फिल्म तेरे नाम में भूमिका चावला की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था। इस फिल्म के बाद मगर भूमिका का एक्टिंग करियर कुछ खास नहीं चला। तेरे नाम के बाद एक्ट्रेस ने जो भी फिल्म की वो बॉक्स ऑफिस पर कुछ असर नहीं दिखा पाई। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में भूमिका ने खुलासा किया है कि उन्हें एक सुपरहिट फिल्म का हिस्सा ना बनने का आज भी मलाल है। करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म जब वी मेट ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। इस फिल्म में करीना और शाहिद की जोड़ी दर्शकों को काफी पसंद आई थी। आज भी जब वी मेट में निभाए गीत के किरदार को करीना कपूर का सबसे फेमस और पसंदीदा रोल मना जाता है। जब वी मेट को करीना और शाहिद दोनों के फिल्मी करियर की सबसे बेस्ट फिल्म कहा जाता है। मगर ये बात बहुत कम लोग जानते है कि गीत के रोल के लिए करीना कपूर मेकर्स की पहली पसंद नहीं थीं। मेकर्स ने करीना से पहले गीत के कैरेक्टर के लिए दो हीरोइनों को अप्रोच किया था। गीत के लिए मेकर्स की पहली पसंद और कोई नहीं बल्कि सलमान खान की फिल्म तेरे नाम की लीड हीरोइन भूमिका चावला थी। गीत का रोल पहले भूमिका ने साइन किया था।

स्टार एक्सप्रेस स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र कुमार द्वारा सांई ऑफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं एमजी-18, सेक्टर-सी, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक: नरेन्द्र कुमार । (पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. No.- UPHIN/2008/24076 Email Id : starexpressnews@gmail.com